संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 194
पृष्ठ 8
शनिवार
04 अप्रैल 2026
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- शराब जितनी कम, उतना बेहतर..

विचार- बारूद के ढेर पर बैठी दुनिया और...

खेल- फखर जमां को पीएसएल की तकनीकी...

असम में गरजे सीएम योगी

असम को नहीं बनने देंगे लव जेहाद व लैंड जेहाद की धरती

दिसपुर,एजेंसी। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ असम के चुनावी रण में उतरे। एनडीए उम्मीदवार दीपक कुमार दास के पक्ष में बारपेटा में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस व यूडीएफ पर जमकर निशाना साधा। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस चुनाव के पहले ही मैदान छोड़कर भाग गई, जबकि यूडीएफ को भी बंगाल की खाड़ी में फेंकने का समय आ गया है। उन्होंने असमवासियों से एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने का आह्वान किया और कहा कि घुसपैठियों को बाहर करना है और असम की डेमोग्राफी को बदलने नहीं देना है। एनडीए का संकल्प है कि असम को लव जेहाद–लैंड जेहाद की धरती नहीं बनने देंगे। घुसपैठ नहीं होने देंगे। कांग्रेस व यूडीएफ की घुसपैठियों के जरिये डेमोग्राफी बदलने की साजिश सफल नहीं होने देंगे। एक–एकघुसपैठी को बाहर करने

की व्यवस्था हो रही है। सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने तय किया है कि असम को घुसपैठ का अड्डा नहीं बनने देंगे, दंगाइयों को निकाल बाहर करेंगे। कांग्रेस व यूडीएफ को जब भी अवसर मिला, इन्होंने भारत व भारतीयता को अपमानित किया। यूडीएफ असम में घुसपैठ की जननी है। घुसपैठियों के बल पर असम की सत्ता पर कब्जा करना चाहती है। कांग्रेस उनकी सहयोगी बनकर असम की संस्कृति से खिलवाड़ कर रही है। वहीं एनडीए सरकार असम की सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण करते हुए हर घुसपैठिए को बाहर कर डेमोग्राफी को चेंज करने की साजिश को विफल कर रही है।सीएम ने असमवासियों को रंगोली बिहू उत्सव की शुभकामना दी। असम को भारत के गौरव की धरा बताया और कहा कि हर भारतवासी यहां मां कामाख्या के दर्शन करने आता है। यहां की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक व समृद्ध परंपरा ने 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' के निर्माण में महती भूमिका का निर्वहन किया है। वैष्णव परंपरा में श्रीमंत शंकर देव व माधव देव की पावन धरा ने नई ऊंचाई के साथ इसे एकता, भक्ति व मानवता के संदेश की भूमि के रूप में परिवर्तित किया है। असम का काजीरंगा नेशनल पार्क राइनो के साथ जैव विविधता के लिए जग विख्यात है। अहोम राजवंश ने इसी पावन धरा में विदेशी आक्रांताओं के छक्के छुड़ाकर अहोम की समृद्ध संस्कृति को नई ऊंचाइयों तक ले जाकर भारत की रक्षा में योगदान दिया था। अहोम राजवंश के महान नायक लचित बोरफुकन का अदम्य साहस, शौर्य व पराक्रम भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा रहा है। असम ने मेहनत, परिश्रम व पुरुषार्थ से चाय की चुस्की को दुनिया तक पहुंचाया। असम अब चाय के साथ चिप के उत्पादन की केंद्रभूमि भी बन रही है।सीएम योगी ने तंज कसा कि कांग्रेस सरकार में भारत रत्न केवल एक खानदान के लोगों को प्राप्त होता था। असम के संगीत व संस्कृति की पहचान भूपेन हजारिका को कांग्रेस ने भारत रत्न नहीं दिया। उन्हें 2019 में मोदी सरकार ने और गोपीनाथ बोरदोलोई को 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने भारत रत्न दिया। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व की एनडीए सरकार ने संस्कृति, परंपरा व विरासत को आगे बढ़ाया। एनडीए सरकार सुरक्षा, सुशासन व सेवा के माध्यम से बिना भेदभाव शासन की योजनाओं का लाभ गांव, गरीब, किसान, महिला व नौजवान तक पहुंचा रही है। दूसरी ओर कांग्रेस नेतृत्व की सरकारों ने 60 वर्षों तक असम में अराजकता, दंगा, कर्फ्यू, घुसपैठ को बढ़ावा देकर सुरक्षा में सेंध लगाई और विरासत को अपमानित किया। कांग्रेस को मां कामाख्या कॉरिडोर, काजीरंगा नेशनल पार्क में राइनो संरक्षण, असम व पूर्वोत्तर की कनेक्टिविटी याद नहीं आई। आज पूर्वोत्तर राज्यों में सड़क, रेल, एयरपोर्ट व इनलैंड वाटरवे की बेहतरीन कनेक्टिविटी है, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, एम्स, आईआईटी, आईआईएम का निर्माण हो रहा है।

अमित शाह बोले-

घुसपैठिए गरीबों की जमीन हड़प रहे हैं

दिसपुर,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि उसकी सरकार ने असम को घुसपैठियों के हाथों में सौंप दिया है। कामपुर और पलाशबारी में जनसभाओं को संबोधित करते हुए शाह ने दावा किया कि घुसपैठिए गरीबों की जमीन हड़प रहे हैं, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान सहित वन क्षेत्रों पर अतिक्रमण कर रहे हैं और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसरों से वंचित कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि पिछले दस वर्षों में भाजपा सरकार ने असम भर में कथित अतिक्रमण से लगभग 1.5 लाख एकड़ जमीन मुक्त कराई है। शाह ने मतदाताओं से भाजपा को फिर से चुनने का आग्रह करते हुए कहा कि नया जनादेश सरकार को पूरे असम को घुसपैठियों से मुक्त कराने में सक्षम बनाएगा। हिमंता बिस्वा सरमा का समर्थन करते हुए शाह ने मतदाताओं से उन्हें फिर से सत्ता में लाने की अपील की और वादा किया कि सरकार हर एक

घुसपैठिए को जड़ से उखाड़ फेंकने के अपने प्रयासों को जारी रखेगी। अपने रुख को दोहराते हुए शाह ने कहा कि घुसपैठ गरीबों के अधिकारों को बुरी तरह प्रभावित कर रही है और राज्य के युवाओं के लिए अवसरों को सीमित कर रही है। लपाड़ा जिले के दुधनोई में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस ने कभी किसी आदिवासी महिला को राष्ट्रपति नहीं बनाया, लेकिन मोदी ने इसे बदल दिया और द्रौपदी मुर्मू भारत की राष्ट्रपति बनीं। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री हैं और यहां असम में मुख्यमंत्री हैं–दोनों के पास राज्य में आदिवासियों के विकास के लिए एक रोडमैप है। अगर लोग भाजपा को लगातार तीसरी बार जनादेश देते हैं, तो इसे (रोडमैप) आगे बढ़ाया जाएगा। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने कभी आदिवासी कल्याण की बात नहीं की। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से कांग्रेस की सरकारों ने आदिवासियों के विकास पर केवल 25,000 करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों में उनके लिए 1.38 लाख करोड़ रुपये दिए। गृह मंत्री ने ग्वालपाड़ा को 'मिनी असम' करार दिया, क्योंकि वहां राभा, बोडो, हाजोंग और कोच सहित कई जनजातियों के लोगों के अलावा आदिवासी चाय बागान श्रमिक रहते हैं।

किरेन रिजिजू बोले-

कांग्रेस-कम्युनिस्टों ने जनता को बेवकूफ बनाया

नई दिल्ली,एजेंसी। केरलम विधानसभा चुनाव से पहले संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ दोनों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने लंबे समय से राज्य की जनता को धोखा दिया है। 3 अप्रैल को बोलते हुए रिजिजू ने कहा कि पहली बार दोनों पार्टियां आम जनता के सामने बेनकाब हो गई हैं। रिजिजू ने कहा कि इस बार केरल में चुनाव बेहद दिलचस्प है क्योंकि पहली बार कांग्रेस और कम्युनिस्ट दोनों का असली चेहरा सामने आ रहा है। इन्होंने लंबे समय तक केरल की जनता को बेवकूफ बनाया है। हर पांच साल में सत्ता बदलती है, लेकिन जनता की परवाह नहीं की गई। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारे पास केरल के लिए एक ठोस

योजना है। भाजपा और एनडीए ने केरल के भविष्य के लिए एक स्पष्ट नीति पेश की है।मंत्री ने कांग्रेस और कम्युनिस्टों पर विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के संबंध में जनता को गुमराह करने और झूठी खबरें फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने ऐतिहासिक रूप से मुस्लिम समुदाय को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है, जबकि भाजपा छोटे समुदायों को समान महत्व देती है। उन्होंने एएनआई से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले, देश में अल्पसंख्यकों की उपेक्षा की जा रही थी। कांग्रेस अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय को, अपना वोट बैंक मानती थी। हमारी सरकार में छोटे अल्पसंख्यकों को भी उचित महत्व दिया जा रहा है। मैं मुस्लिम समुदाय से कहना चाहता हूं कि कांग्रेस उनके समुदाय को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल कर रही है, जो मुसलमानों के लिए हानिकारक है। उन्हें किसी एक पार्टी का वोट बैंक क्यों बनना चाहिए? हम सबके लिए हैं।

संसद का दुरुपयोग कर रही सरकार- जयराम रमेश

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में चुनावी माहौल के बीच केंद्र सरकार द्वारा संसद का विशेष सत्र बुलाने को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार इस कदम के जरिए चुनाव में राजनीतिक फायदा उठाना चाहती है। पार्टी का कहना है कि यह आचार संहिता का खुला उल्लंघन है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि सरकार महिलाओं के आरक्षण कानून और परिसीमन से जुड़े विधेयकों को जल्दबाजी में लाकर चुनावी लाभ लेना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने 2023 में कानून पास होने के बाद 30 महीने तक कोई कदम नहीं उठाया और अब चुनाव के समय इसे आगे बढ़ाया जा रहा है। जयराम रमेश ने कहा कि सरकार का असली उद्देश्य पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के चुनाव को प्रभावित करना है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर यह इतना जरूरी था तो 15 दिन बाद सत्र क्यों नहीं बुलाया गया। उनके मुताबिक यह कदम सीधे–सीधे राजनीतिक लाभ लेने की रणनीति है। कांग्रेस ने परिसीमन को लेकर भी चिंता जताई है। रमेश ने कहा कि प्रस्तावित बदलाव से छोटे राज्यों और दक्षिण भारत के राज्यों को भारी नुकसान हो सकता है। उनका दावा है कि उत्तर प्रदेश की लोकसभा सीटें 120 तक जा सकती हैं, जबकि केरल जैसे राज्यों की संख्या बहुत कम बढ़ेगी। कांग्रेस का आरोप है कि परिसीमन को लेकर सरकार की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई। रमेश ने कहा कि ऑफ रिकॉर्ड जानकारी मिली है, लेकिन संसद में इस पर कोई स्पष्ट प्रस्ताव नहीं रखा गया। इससे सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता राहुल गांधी ने विपक्षी दलों की बैठक बुलाने का फैसला किया है। कांग्रेस का कहना है कि सरकार डिवाइड एंड रूल की नीति पर काम कर रही है और सभी दलों को साथ लेकर नहीं चलना चाहती।

राजनाथ सिंह बोले-

हम एक जिम्मेदार समुद्री शक्ति

विशाखापत्तनम,एजेंसी। भारत की समुद्री सुरक्षा को अभेद्य बनाने की दिशा में शुक्रवार को एक नया अध्याय जुड़ गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापट्टनम स्थित नेवल डॉकयार्ड में स्वदेशी अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट तारागिरी और आईएनएस अरिदमन को नौसेना में शामिल कराया। इस समारोह में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी समेत अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान राजनाथ सिंह ने कहा, आईएनएस तारागिरी के जलावतरण से भारत की नौसेना की ताकत और बढ़ी है। आईएनएस तारागिरी में ब्रह्मोस और सुपरसोनिक मिसाइल से लैस है। इतिहास हमें बताता है कि कोई भी देश बिना अपनी नौसैनिक ताकत को मजबूत किए शक्तिशाली नहीं माना जा सकता है। रक्षा मंत्री ने कहा, ये शहर अपने आप में भारत की समुद्री शक्ति का साक्षी रहा है, इसलिए विशाखापट्टनम से पछै तारागिरी

कमीशनिंग अपने आप में एक बहुत ही महत्वपूर्ण पल है। हमारी सांस्कृतिक विरासत से लेकर आज की रणनीतिक वास्तविकताओं ने समुद्र में हमेशा भारत की दिशा तय की है। भारत का हमेशा से ही समुद्र के साथ अनोखा संबंध रहा है और समय के साथ समुद्र से हमारा रिश्ता और भी मजबूत होता गया है। उन्होंने कहा, हमें केवल अपने तटों की सुरक्षा तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि राष्ट्रीय हितों से जुड़े महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों, चोक पॉइंट्स और डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी चाहिए। मुझे खुशी है कि भारतीय नौसेना इन सभी सुरक्षा कार्यों में सक्रिय रूप से लगी हुई है। राजनाथ सिंह ने कहा, जब भी तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई है, भारतीय नौसेना ने हमारे वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। हमारी नौसेना ने यह साबित कर दिया है कि वह न केवल भारत के हितों की रक्षा करने में सक्षम है, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर अपने नागरिकों और व्यापार मार्गों को सुरक्षित रखने के लिए विश्व स्तर पर हर संभव कदम उठा सकती है। यही क्षमता भारत को एक जिम्मेदार समुद्री शक्ति बनाती है। उन्होंने कहा, जब हमारे प्रधानमंत्री 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण की बात करते हैं।

एलपीजी सिलिंडर को लेकर अफवाह फैलाने पर केंद्र की सख्ती

सभी राज्य सरकारों को रोजाना ब्रीफिंग की सलाह

नयी दिल्ली एलपीजी की उपलब्धता को लेकर फैल रही अफवाहों पर केंद्र सरकार ने चिंता जताई है। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर कहा है कि सिर्फ 17 राज्यधकेंद्र शासित प्रदेश ही नियमित प्रेस ब्रीफिंग कर रहे हैं, जो स्थिति को संभालने के लिए पर्याप्त नहीं है। पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने अपने पत्र में कहा कि कुछ क्षेत्रों में अब भी अफवाहें और गलत जानकारी फैल रही है, जिससे लोगों में अनावश्यक डर पैदा हो रहा है और कई जगहों पर घबराहट में खरीदारी (पैनिक बायिंग) देखी जा रही है। मंत्रालय ने राज्यों से अपील की है कि वे संचार व्यवस्था को और मजबूत करें ताकि स्थिति सामान्य बनी रहे। वर्तमान में आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, नागालैंड, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे 17 राज्यधयूटी नियमित या अंतराल पर प्रेस ब्रीफिंग कर रहे हैं। केंद्र ने बाकी राज्यों से भी तुरंत इसी तरह के कदम उठाने को कहा है। मंत्रालय ने सलाह दिया है कि वरिष्ठ स्तर पर रोजाना प्रेस ब्रीफिंग की जाए और सोशल व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरिए सही और समय पर जानकारी दी जाए, ताकि लोगों को एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता और सुचारु वितरण का भरोसा मिल सके और अफवाहों पर रोक लगाई जा सके। इसके साथ ही केंद्र ने जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं। पत्र में कहा गया है कि इस तरह की गलत गतिविधियों को रोकने के लिए जरूरी कदम लगातार उठाए जाएं। यह निर्देश 27 मार्च को जारी उस चेतावनी के बाद आया है, जिसमें मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में भू–राजनीतिक तनाव के कारण वैश्विक सप्लाई चेन पर असर की बात कही थी।

नाव पलटने से 25 महिलाएं नदी में गिरीं, मची अफरा-तफरी

शिवहर,एजेंसी। बिहार के शिवहर जिले में बागमती नदी में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हो गया, जब मजदूरी के लिए जा रही महिलाओं से भरी नाव अचानक पलट गई। इस घटना से इलाके में अफरा–तफरी मच गई और प्रशासन तुरंत राहत–बचाव कार्य में जुट गया। मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा शिवहर जिले के तरियानी थाना क्षेत्र अंतर्गत महादेवा गांव के पास हुआ। बताया जा रहा है कि लगभग 25 महिलाएं नदी पार कर खेतों में गेहूं काटने जा रही थीं। इसी दौरान बागमती नदी के बीच धारा में नाव अचानक असंतुलित होकर पलट गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों और नाविकों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया। उनकी तत्परता से 24 महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि एक महिला अब भी लापता है।

सरकार का दावा, गंगा का पानी स्नान योग्य, प्रदूषण में आई कमी

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने दावा किया है कि गंगा का पानी निगरानी किये गये सभी स्थलों पर स्नान के मानकों पर खरा उतरता है और इस नदी में प्रदूषण का स्तर घट रहा है। जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने वीरवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि 2025 (जनवरी से अगस्त) के औसत जल गुणवत्ता आंकड़ों के आधार पर, नदी का पीएच और घुलित ऑक्सीजन स्तर सभी स्थानों पर स्नान के मानदंडों को पूरा करता है। पीएच (पोटेंशियल ऑफ हाइड्रोजन) किसी तरल पदार्थ या विलयन में हाइड्रोजन आयनों की सांद्रता को मापकर उसकी अम्लीयता या क्षारीयता बताने वाला एक पैमाना है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) पांच राज्यों के कुल 112 स्थासनों पर गंगा नदी की जल गुणवत्ता की निगरानी करता है, जिनमें उत्तराखंड में 19, उत्तर प्रदेश में 41, बिहार में 33, झारखंड में चार और पश्चिम बंगाल में 15 स्थान शामिल हैं। चौधरी ने कहा कि जैव–रासायनिक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) के संदर्भ में पानी की गुणवत्ता उत्तराखंड, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल में नदी के पूरे प्रवाह में स्नान मानकों के अनुरूप है। हालांकि, उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों– जैसे फर्रुखाबाद से कानपुर के पुराना राजापुर तक, रायबरेली के डलमऊ, और गाजीपुर के तारीघाट तक मिर्जापुर के निचले हिस्से– में यह मानकों पर पूरी तरह खरा नहीं उतरता। उन्होंने कहा कि गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों के किनारे 50 स्थानों और यमुना नदी के किनारे 26 स्थानों पर 2024–25 के दौरान की गयी जैव–निगरानी से ज्ञात होता है कि जैविक जल की गुणवत्ता मुख्य रूप से अच्छी से मध्यम श्रेणी में है, जो जलीय जीवन को बनाए रखने के लिए नदियों की पारिस्थितिक क्षमता को दर्शाती है। मंत्री ने कहा कि गंगा और उसकी सहायक नदियों की सफाई और पुनरुद्धार के लिए नमामि गंगा कार्यक्रम के तहत विविध और विस्तृत कदम उठाए गए हैं, जिनमें अपशिष्ट जल उपचार, नदी तट प्रबंधन, ई–प्रवाह सुनिश्चित करना, ग्रामीण स्वच्छता, वनीकरण, जैव विविधता संरक्षण और जन भागीदारी शामिल हैं। नदी में इतना पानी लगातार बहता रहे कि उसका प्राकृतिक जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र सुरक्षित रहे, इसे ही ई–प्रवाह कहा जाता है। उन्होंने बताया कि फरवरी 2026 तक कुल 524 परियोजनाओं को 43,030 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई है, जिनमें से 355 पूरी हो चुकी हैं।

चारपाई पर सो रहे चौकीदार की धारदार हथियार से हत्या, छानबीन में जुटी पुलिस

नैनी (प्रयागराज)। नैनी के धनुआ गांव में बृहस्पतिवार की रात एक वृद्ध चौकीदार की धारदार हथियार से गोदकर हत्या कर दी गई । शुक्रवार सुबह उसका शव देखकर गांव में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को तत्काल वहां से हटा दिया। नैनी के धनुआ गांव में बृहस्पतिवार की रात एक वृद्ध चौकीदार की धारदार हथियार से गोदकर हत्या कर दी गई ।

शुक्रवार सुबह उसका शव देखकर गांव में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को तत्काल वहां से हटा दिया।

नैनी थाना क्षेत्र के ठाकुरी का पुरवा निवासी राजबहादुर निषाद धनुआ गांव में रवि तिवारी की जमीन पर गिट्टी बालू का धंधा करते हैं। उनके यहां गांव के ही 75 वर्षीय हजारी लाल भारतीय पुत्र मुन्नीलाल भारतीय रात में चौकीदारी का काम करते थे। वह बृहस्पतिवार की रात घर से खाना खाकर वहां सोने के लिए पहुंचे थे। सुबह उनका शव खून से लथपथ पड़ा देख गांव में खलबली मच गई। बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों से घटना के बाबत पूछताछ करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक के पुत्र सोनू भारतीय की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। मृतक के गले और मुंह पर धारदार हथियार से वार किए जाने के निशान देखे जा सकते हैं। इंस्पेक्टर नैनी ब्रिज किशोर गौतम का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद हत्या का कारण पता चल पाएगा। फिलहाल गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

माता-पिता व भाई-बहन की जिम्मेदारियां पति को पत्नी के भरण-पोषण के दायित्व से मुक्त नहीं करतीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि माता-पिता और भाई-बहनों की जिम्मेदारियां पति को पत्नी के भरण-पोषण के दायित्व से मुक्त नहीं कर सकतीं। यह टिप्पणी करते हुए न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की पीठ ने इटावा निवासी एक रेलवे कर्मचारी की ओर से दायर आपराधिक पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि माता-पिता और भाई-बहनों की जिम्मेदारियां पति को पत्नी के भरण-पोषण के दायित्व से मुक्त नहीं कर सकतीं। यह टिप्पणी करते हुए न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की पीठ ने इटावा निवासी एक रेलवे कर्मचारी की ओर से दायर आपराधिक पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी। इटावा निवासी याची की पत्नी ने पारिवारिक न्यायालय में भरण-पोषण बढ़ाने की मांग करते हुए आवेदन किया था। कोर्ट ने पत्नी का भरण-पोषण भत्ता 3500 रुपये से बढ़ाकर आठ हजार रुपये और नाबालिग बेटे का 1500 रुपये से बढ़ाकर चार हजार रुपये कर दिया। इस फैसले को चुनौती देते हुए याची ने हाईकोर्ट में आपराधिक पुनर्विचार याचिका दायर की। पति की ओर से हाईकोर्ट में दलील दी गई कि वह रेलवे में ग्रुप-डी कर्मचारी है और लगभग 55,000 रुपये प्रतिमाह कमाता है। उसे अपने दैनिक खर्चों के साथ वृद्ध माता-पिता और अविवाहित भाई-बहनों का भी पालन-पोषण करना पड़ता है। ऐसे में उसकी आर्थिक स्थिति पर दबाव है। कोर्ट ने पति की दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि 55,000 रुपये मासिक आय इतनी कम नहीं है कि वह पत्नी और बच्चे के भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभाने में असमर्थ हो। केवल पारिवारिक जिम्मेदारियों का हवाला देकर पति अपने वैधानिक कर्तव्य से बच नहीं सकता। पत्नी का भरण-पोषण उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। भरण-पोषण का प्रावधान इसलिए किया गया है, ताकि पति की आय के अनुरूप पत्नी सम्मानजनक जीवन जी सके। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही मानते हुए पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी और बढ़ाई गई भरण-पोषण राशि बरकरार रखी।

सेवानिवृत्त सैनिक मामले में चौकी इंचार्ज गंगोत्री नगर व एक दरोगा लाइनहाजिर

प्रयागराज। बीते 27 मार्च को सेवानिवृत्त सैनिक का शांतिभंग की धारा में चालान के लिए ले जाते समय हंगामा व सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के मामले में चौकी प्रभारी गंगोत्री नगर शिव जी गुप्त और दरोगा आशीष यादव को लाइनहाजिर कर दिया गया है। मामले की जांच एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह को सौंपी गई है। परिजनों का आरोप था कि सैनिक के साथ मारपीट की गई थी। बीते 27 मार्च को पुलिस ने मध्य प्रदेश के रीवा जिले के सरई गांव निवासी दिलीप कुमार सिंह हाल पता चाका शक्तिनगर कॉलोनी नैनी को पुलिस ने शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसे कोर्ट में पेश करने से पहले मेडिकल के लिए सीएचसी चाका ले जाने के लिए पुलिस टीम निकली थी।

थाने के सामने आरोपी के परिवारवालों ने पुलिस द्वारा गलत कार्रवाई किए जाने को लेकर हंगामा किया था। इस दौरान सिपाही गोपाल चाहर की वर्दी फाड़ने और दरोगा अंकित का नेमप्लेट फेंके जाने पर चौकी प्रभारी गंगोत्री नगर शिवजी गुप्ता ने दिलीप कुमार उसकी पत्नी रीना सिंह और एक अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। रविवार को घटना का दो वीडियो वायरल हुआ था। इसमें एक वीडियो में सैनिक को थाने के अंदर एक कार में पुलिस द्वारा बैठाया जा रहा और उसके परिजन वाले उसे कहां लेकर जा रहे है, कहती नजर आ रही है। 44 सेकंड का वीडियो के साथ एक 34 सेकंड का एक वीडियो और वायरल हो रहा था। उसमें सैनिक घायल अवस्था में जमीन पर बैठा नजर आ रहा है। मामले में पूर्व सैनिकों के प्रतिनिधिमंडल ने पीएचक्यू पहुंचकर कार्रवाई की मांग की थी। एसीपी करछना ने बताया कि उक्त प्रकरण की जांच की गई है। चौकी प्रभारी गंगापेत्री नगर सहित एक अन्य दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

संवाद और प्रशिक्षण सफलता की सबसे बड़ी पूंजी : डॉ. रीता बहुगुणा

प्रयागराज। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत भाजपा (यमुनापार) जिले के कौंधियारा मंडल की दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाल बृहस्पतिवार को संपन्न हुआ। इस दौरान पूर्व सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि संवाद और प्रशिक्षण सफलता की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली से युवा, किसान, मजदूर, व्यापारी एवं महिलाएं सीधे प्रभावित होते हैं। इससे पहले उद्घाटन सत्र में बुधवार को जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। इस मौके पर विभवनाथ भारती, ज्ञान नारायण कन्नौजिया, जिला उपाध्यक्ष डॉ. देवी सिंह, दिलीप कुमार चतुर्वेदी, सुधाकर पांडेय, दिनेश प्रजापति, इन्द्रजीत पटेल, ब्लॉक प्रमुख इन्द्रनाथ मिश्रा, राजमणि पासवान, अरुण त्रिपाठी आदि रहे।

पीड़िता व आरोपी ने विवाह कर लिया है और सुखी हैं तो आपराधिक कार्यवाही जारी रखना न्याय नहीं: हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि पीड़ित व आरोपी ने विवाह कर लिया है और वे एक सुखद वैवाहिक जीवन व्यतीत कर रहे हैं तो आपराधिक कार्यवाही जारी रखना न्यायसंगत नहीं है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि पीड़ित व आरोपी ने विवाह कर लिया है और वे एक सुखद वैवाहिक जीवन व्यतीत कर रहे हैं तो आपराधिक कार्यवाही जारी रखना न्यायसंगत नहीं है। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने आरोपी के खिलाफ दाखिल चार्जशीट और पूरी आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकल पीठ ने आरोपी की अर्जी दिया है। संभल निवासी याची पर एक शिकायतकर्ता ने 2018 में थाना रजपुरा में अपनी नाबालिग बेटी के अपहरण, दुष्कर्म और पॉक्सो के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई थी। ट्रायल कोर्ट में मामला लंबित है। याची ने मुकदमे की पूरी कार्यवाही को रद्द करने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में अर्जी दायर की थी। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि पीड़िता ने पुलिस और मजिस्ट्रेट के समक्ष दिए बयान में किसी भी प्रकार के अपराध या जबरदस्ती से इन्कार कर दिया। उसने अपनी मर्जी से आरोपी के साथ जाने की बात कही है। दोनों ने गाजियाबाद में कोर्ट मैरिज कर ली है। पीड़िता ने खुद को बालिग बताया और आरोपी के साथ पत्नी के रूप में रहने की इच्छा जताई। दोनों का विवाह तीन जुलाई 2018 को पंजीकृत हुआ था। ऐसे में लंबित मुकदमे की पूरी कार्यवाही रद्द की जानी चाहिए।

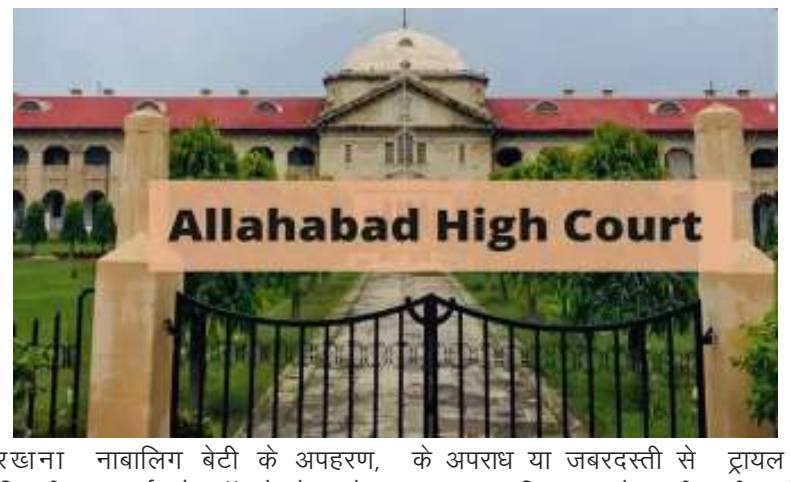

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि यदि पीड़िता ने आरोपी के साथ स्वेच्छा से जीवन बिताने का निर्णय लिया है और वह अभियोजन का समर्थन नहीं कर रही है तो मुकदमे को जारी रखना केवल समय की बर्बादी होगी। पीड़िता ने ट्रायल कोर्ट में गवाही के दौरान भी आरोपी पर कोई आरोप नहीं लगाया। पीड़िता के पिता भी इस मामले को आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं। इन आधारों पर कोर्ट ने लंबित मामले की पूरी कार्यवाही रद्द कर दी।

हथियार लाइसेंस में देरी के मामले में हाईकोर्ट ने प्रदेश सरकार से मांगा डाटा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हथियार लाइसेंस देने में देरी और बिना कारण आदेश पारित करने के मामले में अपर मुख्य सचिव (गृह) से आर्म्स लाइसेंस की स्थिति पर विस्तृत डाटा मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि क्या राज्य में कोई स्पष्ट आर्म्स पॉलिसी है या नहीं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हथियार लाइसेंस देने में देरी और बिना कारण आदेश पारित करने के मामले में अपर मुख्य सचिव (गृह) से आर्म्स लाइसेंस की स्थिति पर विस्तृत डाटा मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि क्या राज्य में कोई स्पष्ट आर्म्स पॉलिसी है या नहीं। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने जय शंकर उर्फ बैरिस्टर की याचिका पर की है।

भदोही निवासी याची ने 2018 में हथियार लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। जिलाधिकारी ने करीब चार साल बाद 24 नवंबर 2022 को आवेदन खारिज कर दिया। याची ने इसके खिलाफ मिर्जापुर मंडल के अपर आयुक्त के समक्ष अपील दायर की। तीन साल बाद नवंबर 2025 में बिना कारण बताए आवेदन खारिज कर दिया गया, जिसे याची ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

अधिवक्ता ने दलील दी कि याची सोने के आभूषण का व्यवसाय करता है, जिससे उसे सुरक्षा का खतरा रहता है। उसके खिलाफ दर्ज पांच मामलों में से चार में वह बरी हो चुका है और एक मामला

लंबित है। शासकीय अधिवक्ता ने दलील दी कि याची के खिलाफ पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें कुछ लंबित हैं और एक में अंतिम रिपोर्ट स्वीकार नहीं हुई है। ऐसे में उसके आपराधिक इतिहास को ध्यान में रखकर लाइसेंस आवेदन खारिज किया गया।

कोर्ट ने जिलाधिकारी भदोही से पूछा कि आवेदन पर चार साल की देरी क्यों हुई और नियमों का पालन क्यों नहीं किया गया। अपर आयुक्त (अपीलीय प्राधिकारी) को व्यक्तिगत शपथपत्र दाखिल कर बताना होगा कि देरी से दाखिल अपील बिना कारण कैसे स्वीकार की गई। साथ ही यह भी बताने को कहा कि अपील पर समय से फैसला क्यों नहीं लिया गया।

कोर्ट ने हथियार लाइसेंस मामले को गंभीरता से लेते हुए अपर मुख्य सचिव (गृह) से पूछा कि क्या राज्य में आर्म्स लाइसेंस का डिजिटल डाटाबेस है। लाइसेंस देने में क्या प्रशासनिक बाधाएं हैं। कोर्ट ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस प्रमुखों को निर्देश दिया कि जिले और थानेवार हथियार लाइसेंस का पूरा ब्योरा दें। एक ही परिवार में कितने लोगों के पास लाइसेंस हैं, इसकी भी जानकारी दें। लंबित आवेदनों और अपीलों का डाटा प्रस्तुत करें, साथ ही दो या अधिक आपराधिक मामलों वाले लाइसेंस धारकों की अलग सूची तैयार करें।

शक्ति प्रदर्शन और सामाजिक प्रभाव का प्रतीक बना हथियार रखना रू कोर्ट

कोर्ट ने टिप्पणी की कि कई जगह हथियार रखना शक्ति प्रदर्शन और सामाजिक प्रभाव का प्रतीक बन गया है। सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन और राजनीतिक प्रभाव के लिए उनका उपयोग समाज में भय का माहौल पैदा करता है, जो कानून के खिलाफ है। कोर्ट ने आदेश की प्रति राज्य के सभी जिलाधिकारियों, पुलिस प्रमुखों और संबंधित अधिकारियों को भेजने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 28 अप्रैल 2026 को होगी।

खाड़ी युद्ध: मिसाइल का टुकड़ा बिल्डिंग पर गिरने से मऊआइमा के दो युवक दबे, बची जान

प्रयागराज। पश्चिम एशिया में चल रहे जंग का शिकार बेगुनाह लोग हो रहे हैं। इधर, मिसाइल का टुकड़ा बिल्डिंग पर गिरने से मऊआइमा के दो युवक दब गए। किसी तरह वहां की सेना ने मलबे से दोनों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। मऊआइमा के सराय सुल्तान निवासी मोहम्मद इमरान पुत्र रमजान अली तथा ग्राम महमदपुर निवासी मोहम्मद कैफ पुत्र शमसुद्दीन सऊदी अरब के रियाद के पास अल खार्ज में स्थित एक कंपनी में दूध और फलों की पैकिंग का काम करते हैं। कंपनी के समीप ही उनका कमरा है। बृहस्पतिवार को सुबह दोनों युवकों ने अपने परिजनों को फोन करके बताया कि बीते 28 मार्च को रात बिल्डिंग की छत पर मिसाइल का टुकड़ा गिर गया। इससे छत धराशायी हो गई। इस दौरान मलबे में दोनों दब गए। सूचना पर पहुंची सऊदी सेना ने दोनों को सुरक्षित निकाल लिया। इधर, मोहम्मद इमरान के पिता रमजान और कैफ के पिता शमसुद्दीन ने बताया कि इस घटना से दोनों काफी दहशत में हैं। मऊआइमा के किंगरिया का पूरा, खानपुर, बागी, सराय ख्वाजा, जाम्हा, तेजपुर, भौका, आदि गांवों के बड़ी संख्या में लोग खाड़ी देशों में काम करते हैं। दिलशाद, मोईन, नफीस, शकील, मोमिन, नासिर और जमशेद आदि ने बताया कि उनके पुत्र दुबई, सऊदी अरब, बेहरीन, आबूधाबी, कुवैत आदि देशों में काम करते हैं।

हे दुखभंजन... सुन लो मेरी पुकार

प्रयागराज। हनुमान जन्मोत्सव पर बृहस्पतिवार को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह हे दुखभंजन मारुतिनंदन... सुन लो मेरी पुकार, वीर हनुमाना अति बलबाना आदि भजन गूंजते रहे। मंदिरों में सजावट करने के साथ ही विशेष पूजा-अर्चना की गई। हनुमानजी को चोला चढ़ाने के साथ ही धूप, दीप व नैवेद्य अर्पित किए गए। जगह-जगह सुंदरकांड व हनुमान चालीसा का पाठ करने के साथ ही भंडारों का भी आयोजन किया गया। इनमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। शोभायात्राएं भी निकाली गईं। मीरगंज के प्रमुख मंदिरों में खास सजावट की गई। श्रद्धालुओं ने कीर्तन गान किया। दुनका गांव में शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धालु जय श्रीराम और जय हनुमान के उद्घोष के साथ इसमें शामिल हुए। शाही के खजुरिया चौराहा स्थित हनुमान मंदिर पर रामचरितमानस का अखंड पाठ किया गया। मोहल्ला नेहरू नगर स्थित शिव मंदिर पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। ठाकुरद्वारा मोहल्ले में हनुमान मंदिर पर भजन कीर्तन हुए। फरीदपुर में भी हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। राम जानकी मंदिर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया। मोहल्ला लाइन पार स्थित मां काली देवी मंदिर, मोहल्ला साहूकारा के राधा-कृष्ण मंदिर, सत्संग भवन मंदिर, फर्रखपुर दुर्गा मंदिर पर भी धार्मिक आयोजन हुए। फतेहगंज पूर्वी के दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर पर उमेश चंद्र शास्त्री ने सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। नई कॉलोनी के बालाजी मंदिर पर महंत चंद्रप्रकाश की ओर से अखंड पाठ का आयोजन करने के साथ ही हवन-पूजन व भंडारा किया गया। बिलपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास बाबा ब्रह्मदेव के प्राचीन स्थान और साहूकारा मंदिर पर भी सुंदरकांड का पाठ हुआ। बृहस्पतिवार को चैत्र पूर्णिमा होने के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रामगंगा नदी में स्नान किया। स्नान के बाद घाट पर दान-पुण्य किया।

मारुति नंदन को 101 किलो के लड्डू का भोग लगाया

बहेड़ी। हनुमान जन्मोत्सव पर नगर में जगह-जगह रामायण के अखंड पाठ तथा सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। मारुति नंदन को 101 किलो के लड्डू का भोग लगाया गया। खांडके कॉलोनी में चीनी मिल के कर्मचारियों ने रामायण के अखंड पाठ का आयोजन किया गया। राम जानकी मंदिर, रामलीला परिषद स्थित देवीजी मंदिर, गंगा मंदिर, केशव पुरम स्थित शिव मंदिर, आदर्श कॉलोनी शिव मंदिर, शेखूपुर शिव मंदिर, पंजाबी कॉलोनी शिव मंदिर के अलावा कानूनगोयान स्थित 84 घंटा मंदिर पर सुंदरकांड का पाठ किया गया। हनुमान जन्मोत्सव पर सिद्ध स्थली पुरैना धाम से अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल के नेतृत्व में शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरी। रास्ते में जगह-जगह पुष्पवर्षा से शोभायात्रा का स्वागत किया गया। यात्रा में सुनील गुप्ता, रामगोपाल गुप्ता, अनुपम शंखधार, पवन श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। मझगवां ब्लॉक के गांव मिर्जापुर में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर ग्राम प्रधान मनोज पाल, गोविंद मौर्य, अमन मौर्य, कुलदीप मौर्य, देवदत्त शर्मा आदि श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा निकाली।

राहगीरों के लिए मुसीबत बनी ध्वस्त सड़क

प्रयागराज। क्षेत्र मे बने जल निगम कार्यालय की ओर जाने वाला मुख्य मार्ग पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है। इस मार्ग की बदहाली न केवल राहगीरों के लिए मुसीबत बनी है, बल्कि स्कूली बच्चों और ग्रामीणों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर रही है। गुरुवार को इसी मार्ग पर एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। जानकारी के अनुसार ममोली निवासी शीतला शुक्ला अपने बच्चों को बाइक से स्कूल छोड़ने जा रहे थे। रास्ते में गड्ढों और मलबे के कारण अचानक उनकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। घटना में बच्चों को मामूली खरोंचें आईं अन्यथा कोई बड़ा हादसा हो सकता था। यह रास्ता केवल जल निगम तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आगे बस्ती की ओर भी जाता है। इस मार्ग से प्रतिदिन कई लोग आवाजाही करते हैं। रास्ते के ध्वस्त होने से लोगों का मुख्य मार्ग से संपर्क लगभग कट गया है। साथ ही इसी मार्ग पर स्थित एक निजी विद्यालय के छात्र-छात्राओं और अभिभावकों को भी जान जोखिम में डालकर निकलना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि रास्ते की हालत लंबे समय से जर्जर है। हर दिन यहां कोई न कोई गिरकर चोटिल होता है।

बिजली व्यवस्था चरमराई, ग्रामीणों में आक्रोश

प्रयागराज। क्षेत्र के घोड़ेडीह गांव में इन दिनों बिजली व्यवस्था चरमरा गई है। गर्मी में अघोषित कटौती से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि सुबह पांच बजे बिजली काट दी जाती है और करीब दो घंटे बाद आपूर्ति होती है। इसके बाद भी मात्र कुछ समय के लिए ही बिजली आपूर्ति होती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द समस्या के समाधान की मांग की है, ताकि गर्मी के इस मौसम में उन्हें राहत मिल सके। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस समस्या को लेकर लाइनमैन से बातचीत की तो उन्होंने बताया कि यह व्यवस्था एसडीओ आलोक रंजन गुप्ता के निर्देश पर की जा रही है। वहीं एसडीओ आलोक रंजन गुप्ता ने बताया कि उन्हें भी कहा गया है कि दिन में बिजली आपूर्ति नहीं दी जाएगी और शाम पांच बजे के बाद ही आपूर्ति होगी। उधर, प्रयागराज के मुख्य अभियंता मुकेश बाबू ने बताया कि वे संबंधित अधिकारियों से बात कर आवश्यक कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति जरूरी है।

बौद्ध अनुयायियों ने बुद्ध उपदेशों पर किया विचार-विमर्श

प्रयागराज। क्षेत्र के दुखियापुर स्थित छत्रपति शाहूजी महाराज बुद्ध विहार में चौत्र पूर्णिमा के अवसर पर बृहस्पतिवार को भगवान बुद्ध की देशनाओं पर आधारित एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अनुयायियों ने भाग लेकर बुद्ध के उपदेशों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम का आरंभ बुद्ध वंदना से किया गया। संगोष्ठी के दौरान वक्ताओं ने भगवान बुद्ध के जीवन, उनके सिद्धांतों और वर्तमान समय में उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता एवं बुद्ध विहार संघ के अध्यक्ष प्यारे लाल पटेल ने कहा कि बुद्ध की शिक्षाएं आज भी समाज को शांति, अहिंसा और सद्भाव का मार्ग दिखाती हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपनी जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष एलबी पटेल ने कहा कि भगवान बुद्ध ने अंधविश्वास, आडंबर और रूढिवादी परंपराओं से सदैव दूर रहने का संदेश प्रतिपादित किया था। कार्यक्रम में उपस्थित अनुयायियों ने भी अपने विचार साझा किए और बुद्ध के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। संगोष्ठी का उद्देश्य समाज में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना और लोगों को सकारात्मक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। संगोष्ठी का समापन शांतिपाठ के साथ किया गया। इस मौके पर मनकेश्वर लाल, सीताराम, पवन कुमार, सर्वजीत, चौबेलाल, राम बदन आदि शामिल रहे।

मुख्य सड़क मार्ग पर क्षतिग्रस्त पाइप से जलभराव

प्रयागराज। करमा बाजार में मुख्य बाजार की सड़क पर जल निगम का पाइप क्षतिग्रस्त होने से सड़क पर जलभराव हो गया। पाइप फट जाने से सड़क पर पानी भर गया। जलभराव में होकर स्कूली बच्चे एवं राहगीर आने जाने के लिए मजबूर हैं। ग्रामीणों ने बताया कि शिकायत के बाद भी जल निगम की ओर से पाइप को बदला नहीं गया। जिससे लोगों में आक्रोश है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अमरीश जायसवाल ने बताया कि क्षतिग्रस्त पाइप की शिकायत की गई है। इसके बाद भी अभी तक पाइप को बदला नहीं गया है। जिससे काफी परेशानी हो रही है। मुख्य सड़क मार्ग होने से आसपास कई स्कूल, कॉलेज हैं, जिससे छात्र-छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मोहम्मद अजीम, सौरभ जयसवाल, एकलाख मास्टर, मोहम्मद इस्लाम, दिनेश जायसवाल आदि ने क्षतिग्रस्त पाइप बनाए जाने की मांग की है।

घर बनाना हुआ महंगा, सीमेंट-सरिया व ईंट के दाम बढ़े

प्रयागराज। पश्चिम एशिया में जंग के चलते बाजार में महंगाई का असर दिखाई देने लगा है। बाहर से कच्चे माल के न आने से इसका असर सरिया-सीमेंट एवं ईंटों के दाम पर पड़ रहा है। घर बनाने में सरिया-सीमेंट ईंट के अलावा मोरंग, गिट्टी और वायरिंग की पाइप आदि सामानों की जरूरत पड़ती है। मोरंग और गिट्टी को छोड़ दिया जाए तो अन्य सामानों की कीमतों पर पश्चिम एशिया में चल रहे जंग का खासा प्रभाव पड़ा है। बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता असदुल्लाह ने बताया कि सीमेंट की जो बोरी पहले 320 रुपये में बिकती थी। अब वह 340 रुपये प्रति बोरी बिक रही है। जो सरिया फरवरी में 5400 से 5500 रुपये प्रति क्विंटल थी। अब 6400 से 6500 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। ईंट-भट्टा संचालक मोहम्मद निसार ने बताया कि सिलिंडर की किल्लत से हर तरफ कोयले की मांग बढ़ गई है। पहले एक टन कोयला साढ़े नौ हजार रुपये में आता था, अब वह 11500 रुपये प्रति टन हो गया है। ऐसे में युद्ध से पहले जो ईंट 13 हजार रुपये प्रति ट्रॉली था, अब 14 हजार रुपये प्रति ट्रॉली हो गया है। सेनेटरी की दुकान चलाने वाले मोहम्मद वासिक ने बताया कि मकान बनाने के दौरान वायरिंग में लगने वाले पाइप व अन्य मेटेरियल की कीमतों में भी जंग शुरू होने के बाद से खासा इजाफा हुआ है।

अस्पताल रोड पर फैली गंदगी, बीमारी फैलने का खतरा

प्रयागराज। गर्मी की शुरुआत के साथ सफाईकर्मियों की लापरवाही से अस्पताल रोड पर गंदगी फैल गई है। प्रयागराज-रायबरेली लिंक रोड जलालपुर चांधन उर्फ पीथीपुर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कौड़िहार के अलावा एक धार्मिक स्थल है। घनी आबादी में जल निकासी की नाली चोक हो गई है। इससे घरों का गंदा पानी सड़क पर फैल गया है। मोहल्ले में गंदगी से जहां एक ओर बीमारी फैलने का खतरा उत्पन्न हो गया है, वहीं मस्जिद में नमाज पढ़ने वाले परेशान हैं। सड़क पर पानी जमा होने से अस्पताल आने वाले डॉक्टर, कर्मचारियों के अलावा मरीजों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

संक्षिप्त

आर्मी मेडिकल कोर की 262वीं वर्षगांठ मनाई,वीर जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में आज आर्मी मेडिकल कोर (एएमसी) की 262वीं वर्षगांठ एएमसी सेंटर और कॉलेज में उत्साह और गरिमा के साथ मनाई गई। इस मौके पर कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल शिवेंद्र सिंह ने 'श्रद्धांजलि' युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीद जवानों को नमन किया। कार्यक्रम की शुरुआत युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने से हुई। इस दौरान उन सैनिकों को याद किया गया, जिन्होंने देश की सेवा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। समारोह के तहत कर्मचारियों, उनके परिवारों और बच्चों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं और मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया और माहौल उत्साहपूर्ण रहा। एक विशेष सैनिक सम्मेलन का भी आयोजन किया गया, जिसमें लेफ्टिनेंट जनरल शिवेंद्र सिंह ने अधिकारियों और जवानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उच्च स्तर का प्रशिक्षण बनाए रखना बेहद जरूरी है, ताकि शांति और युद्ध दोनों स्थितियों में सैनिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। साथ ही उन्होंने सभी कर्मियों के समर्पण और मेहनत की सराहना की। कार्यक्रम का समापन एएमसी सेंटर और कॉलेज के ऑफिसर्स मेस में आयोजित भव्य सामाजिक संध्या के साथ हुआ। इसमें वरिष्ठ अधिकारी, पूर्व अधिकारी और उनके परिवार शामिल हुए और इस अवसर को यादगार बनाया।

वेतन विवाद को लेकर 1076 के कर्मियों का प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में 1076 से जुड़े कर्मचारियों का प्रदर्शन अब तेज हो गया है। साइबर टॉवर में हुए हंगामे के बाद कई कर्मचारी पुलिस कार्रवाई के डर से इधर-उधर छिपते नजर आए। बताया जा रहा है कि एक महिला कर्मचारी खुद को बचाते हुए कामता बस स्टैंड तक पहुंचे, जबकि अन्य कर्मचारी अलग-अलग जगहों पर छिपकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। दूसरे दिन प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों को पुलिस ने बसों में बैठाकर इको गार्डन भेज दिया। कर्मचारियों का कहना था कि 15 हजार रुपए की सैलरी का वादा करके 7000-8000 रुपए दिए जा रहे हैं। सैलरी भी रोककर दी जा रही है। प्रदर्शन कर रही एक महिला कर्मी ने कहा कि पुलिस उनके साथ मारपीट कर रही है। प्रशासन ने उनकी मांगों को पूरा करने के लिए 10 घंटे का समय दिया था, लेकिन तय समय बीतने के बाद भी कोई समाधान नहीं निकला। उनकी आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। करीब 50 से ज्यादा कर्मचारी अब भी विरोध में डटे हुए हैं और प्रशासन पर लगातार आरोप लगा रहे हैं कि उनकी मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें 10 घंटे का समय दिया गया था, लेकिन इसके बाद भी उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, बल्कि पुलिस कार्रवाई का दबाव बनाया जा रहा है। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का साफ कहना है कि अगर उनकी भर्ती ₹15,000 वेतन पर की गई थी, तो उन्हें आधी सैलरी क्यों दी जा रही है। उनका आरोप है कि न सिर्फ वेतन कम दिया जा रहा है, बल्कि भुगतान भी समय पर नहीं हो रहा। 60 दिन बाद भी पूरी सैलरी नहीं दी गई और कई महीनों का भुगतान अब भी बकाया है।

राजधानी में सुबह से छाए बादल, बारिश का यलो अलर्ट

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में सुबह से बादल छाए हुए हैं। ठंडी हवा के झोंके चल रहे हैं। मौसम विभाग की तरफ से जिले के कई इलाकों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री के आसपास दर्ज किया जाएगा। दिन में अधिकतर समय मौसम साफ बना रहेगा। मौसम विज्ञान की तरफ से अनुमान जताया गया है कि दिन में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चल सकती है। मौसम विभाग ने आज लखनऊ के आसपास के इलाकों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। आज से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक बार फिर बारिश का नया दौर शुरू हो रहा है। यह बारिश धीरे-धीरे पूरे प्रदेश में फैलती हुई पूरे सप्ताह (अगले कई दिनों तक) जारी रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ ईरान-अफगानिस्तान क्षेत्र में सक्रिय है। इसके साथ अरब सागर से नमी भरी हवा आ रही है। इन दोनों की टक्कर से बादल बन रहे हैं और बारिश हो रही है। इस बारिश के कारण प्रदेश में अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की उम्मीद है। यानी दिन पहले से ठंडा और राहत भरा महसूस होगा।

पुलिस मुठभेड़ों के खिलाफ भाकपा का डीजीपी को पत्र

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में पुलिस मुठभेड़ के खिलाफ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी बाराबंकी ने पुलिस महानिर्देशक को पत्र भेजकर न्यायपालिका के आदेशों का सम्मान और पालन कराए जाने की माँग की है। राज्य परिषद सदस्य रणधीर सिंह सुमन ने पुलिस महानिदेशक को पत्र लिख कर कहा है कि उच्च न्यायालय खंडपीठ इलाहाबाद ने राजू उर्फ राजकुमार बनाम उत्तर प्रदेश सरकार की जमानत याचिका में 28 जनवरी 2026 को आदेश पारित करते हुए कहा है कि फर्जी पुलिस मुठभेड़ मामले में पुलिस पार्टी पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाकर जांच किसी अन्य एजेंसी से कराए जाना चाहिए। मीडिया के माध्यम से भी प्रतीत होता है कि बाराबंकी में भी कई फर्जी एनकाउंटर हुए हैं, जिसकी जाँच होनी चाहिए और पुलिस एनकाउंटर पार्टी पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज होनी चाहिए। राज्य परिषद सदस्य श्री सुमन ने पुलिस पार्टी पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाकर उसको सार्वजनिक करते हुए किसी अन्य एजेंसी से जांच करवाए जाने की मांग भी की है।

योगी सरकार की पहल, बदली हमीरपुर की कीर्ति की जिंदगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार की योजनाएं आज ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहीं हैं। हमीरपुर की कीर्ति जीवंत मिसाल हैं। अध्यापिका और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में काम करने वाली कीर्ति ने जब महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय लिया, तो यह उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। 2018 में समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह पकड़ी, बल्कि समाज में खुद की एक नई पहचान भी बनाई। आज वही कीर्ति "प्रेरणा कैंटीन" के माध्यम से न सिर्फ खुद सशक्त हुईं हैं, बल्कि अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने का अवसर दे रहीं हैं। 2025 अगस्त में कीर्ति ने 10 महिलाओं के साथ मिलकर हमीरपुर के दरियापुर स्थित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में "प्रेरणा कैंटीन" की शुरुआत की। 11 लाख रुपये के निवेश से शुरू हुआ प्रयास आज उनके लिए सफल उद्यम बना, जिसका टर्नओवर 1.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

बल्लीपाडु और पेडिपारू ग्रामीणों को होम्योपैथिक चिकित्सा के बारे में जागरूक बनाया गया

बल्लीपाडु/पेडिपारु। विश्व होम्योपैथी जागरूकता सप्ताह के तीसरे दिन, एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ने उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में ताडेपल्लीगुडेम स्वास्थ्य परियोजना मिशन को बल्लीपाडु और पेडिपारु गांवों में ले जाया गया। इस दिन को हाई-टेक डायग्नोस्टिक स्क्रीनिंग और होम्योपैथी को बिना किसी दुष्प्रभाव वाली पर्यावरण-अनुकूल चिकित्सा के रूप में बढ़ावा देने के लिए एक जमीनी स्तर के अभियान द्वारा चिह्नित किया गया था।

बल्लीपाडु शिविर में बोलते हुए,एएसआरएचएमसी के प्रिंसिपल डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने प्रणाली के विस्तारित क्षितिज को रेखांकित करते हुए कहा कि होम्योपैथी एक सटीक, विकसित विज्ञान है जो मानव स्वास्थ्य से परे भी फैला हुआ है। अब पौधों और जानवरों की चिकित्सा के लिए भी होम्योपैथी की शोध व्यापक तौर पर की जा रही है।

होम्योपैथी चिकित्सा प्रणाली की प्रभावशीलता को रेखांकित करते हुए, डॉ. पिंगलीआनंद कुमार ने कहा कि यदि किसी में रोगी का सटीक इलाज नहीं किया जाता है, तो इसका दोष चिकित्सक को दी जाती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि होम्योपैथी में विभिन्न बीमारियों के इलाज की व्यापक गुंजाइश है, जहां चिकित्सा की अन्य प्रणालियों की पहुंच सीमित हो सकती है। उन्होंने जनता से अपने संदेहों को दूर करने के लिए योग्य होम्योपैथ चिकित्सक से संपर्क करने का आग्रह किया।

छात्र सशक्तिकरण और एनसीएच पहल अभियान में छात्र प्रशिक्षुओं और प्रथम वर्ष के छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जो घर-घर जाकर जागरूकता फलाने में लगे हुए थे। प्रथम वर्ष की एक छात्रा ने कहा कि राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एनसीएच) की यह पहल जनता के साथ सीधे बातचीत करते हुए आत्मविश्वास हासिल करने और सीखने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। छात्रों ने नैदानिक घ्घ्घ्घ्अनुसंधान और ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल के बीच अंतर को प्रभावी ढंग से पाटने, बीमारियों की रोकथाम और उपचार दोनों में होम्योपैथी की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया।

शुक्रवार को आयोजित शिविरों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह और थायराइड विकारों सहित गैर-संचारी रोगों की निशुल्क जांच की गई। जरूरतमंद लोगों के लिए एचबीए1सी, लिपिड प्रोफाइल और थायराइड प्रोफाइल जैसे उन्नत नैदानिक जांच किए गए।

बल्लीपाडु और पेडिपारू गांवों में डॉ. आनंद कुमार पिंगली, प्रोफेसर डॉ. कदाली श्रीनिवास, डॉ. मीनाक्षी दास और डॉ.जी.वी. किरण्मयी समेत एक विशेषज्ञ टीम द्वारा सेवाएं प्रदान की गईं।

उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट के स्वयंसेवकों ने ग्रामीण समुदाय के सबसे कमजोर वर्गों तक होम्योपैथी चिकित्सा का लाभ पहुंचाने हेतु पूर्ण सेवाएं प्रदान की।

ज़ेड एस अस्पताल ने प्रीम रोज़ शिक्षा संस्थान को किया सम्मानित

प्रयागराज। करेली करामात की चौकी में स्थित ज़ेड एस अस्पताल ने प्रयागराज की प्रसिद्ध संस्थाओं मे से एक प्रीम रोज़ शिक्षा संस्थान को स्वास्थ्य से रिलेटेड अवैरनेस कैंप तथा निशुल्क इलाज करवाने से सम्बंधित चिकित्सक छेत्र मे बेहतरीन काम करने के लिए साम्मानित किया और ज़ेड एस

हॉस्पिटल को और कैसे बेहतर इलाज करने के लिए बनाया जाये इस पर चर्चा हुयी,ज़ेड एस हॉस्पिटल के डायरेक्टर मोहम्मद मज़हरुल हक़ ने बताया की कोशिश यही है की कम से कम पैसों मे इलाज किया जाये जिस्से मरीज़ को

ज़ायदा खर्च ना उठाना पड़े उस पर काम कर रहें हैं और इलाज भी अच्छा हो यही कोशिश है,प्रीम रोज़ शिक्षा संस्थान के मैनेजर फरहान आलम ने सीपीआर कैसे देते हैं इसकी जानकारी दी। प्रीम रोज़ शिक्षा संस्थान ने अस्पताल की महिला डॉक्टरों, नर्सों और अन्य महिला कर्मचारियों की सराहना की। इस अवसर पर अस्पताल के डायरेक्टर मोहम्मद मज़हरुल हक,डॉ नितेश कुशवाहा, डॉ अश्विना सिंह,डॉ सलेहा, डॉ ज़ेबा,डॉ आबिद इक़बाल, डॉ अनवारुल हक और स्टाफ रहबर अली, निशात परवीन, नेहा खान, हेना खान, मोहम्मद फरहान, सोफिया, कहकशा उपस्थित थे।

कोर में 2x25 कि.वो. कर्षण प्रणाली हेतु दर अनुसूची पुस्तिका का विमोचन

प्रयागराज। भारतीय रेल मे प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना मिशन गति शक्ति हेतु पूरे भारतीय रेल मे 2×25 कि.वो. ए.सी. कर्षण प्रणाली का रेल विद्युतीकरण का कार्य तीव्र गति से किया जाना है किन्तु एकरूप दर अनूसूची के अभाव में निविदा प्रक्रिया का कार्य

बहुत धीमी गति से हो पा रहा है। रेल विद्युतीकरण के कार्य मे दक्ष केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज ने कुल भारतीय रेल के ब्रॉड गेज का लगभग 70: विद्युतीकरण किया है। अतः रेलवे बोर्ड के निर्देश पर कोर द्वारा 2×25 कि.वो. ए.सी. कर्षण प्रणाली हेतु दर अनूसूची व्यापक तकनीकी, वित्तीय गहन जांच, लागत संबंधी परिवर्तनों एवं नवीन कर प्रणाली को समाहित कर तैयार की गयी जिसका औपचारिक विमोचन आज दिनांक 01.04.2026 को माननीय महाप्रबंधक/कोर श्री अशोक कुमार वर्मा द्वारा मुख्यालय प्रयागराज मे किया गया। इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/कोर डॉ. संजय सिंह नेगी, उप मु. वि. अभि. श्री आलोक बिहारी अग्रवाल, उप वि.स. एवं मु.ले.अधि. श्री अजय कुमार लाल श्रीवास्तव, उप वि.स. एवं मु.ले.अधि. श्री कौशल कुमार श्रीवास्तव, सचिव/महाप्रबंधक/कोर श्री नरेन्द्र चौधरी, उप मु. वि. अभि. श्री कल्याण सिंह तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस दर अनुसूची के लागू होने से भारतीय रेल की 1×25 कि.वो. ए.सी. कर्षण प्रणाली को 2×25 कि.वो. ए.सी. कर्षण प्रणाली में उन्नत (अपग्रेड) करने संबंधी परियोजनाओं की निविदा प्रक्रियाओं में तीव्रता आएगी, लागत में अखिल भारतीय एकरूपता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

योगी सरकार में चमकी आजमगढ़ की पहचान

निजामाबादी ब्लैक पॉटरी को वैश्विक सम्मान

लखनऊ, संवाददाता। आजमगढ़ समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक शिल्पकला के लिए जाना जाता है। निजामाबाद क्षेत्र की ब्लैक पॉटरी यानि काली मिट्टी की कारीगरी की विश्वभर में पहचान है। इस शिल्प में प्रयुक्त विशेष प्रकार की चिकनी मिट्टी स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होती है, जो इस कला को और विशिष्ट बनाती है।निजामाबाद क्षेत्र में 200 से अधिक कारीगर परंपरागत शिल्प से जुड़े हुए हैं। ये अपने हुनर से विभिन्न प्रकार के उत्पाद जैसे फूलदान, बर्तन, चायदान, शक्करदान और सजावटी वस्तुएँ तैयार करते हैं। इन उत्पादों की मांग देश ही नहीं, विदेशों में भी तेजी से बढ़ रही है, क्योंकि ये उपयोगी होने के साथ सौंदर्य की दृष्टि से भी बेहद आकर्षक होती हैं।आजमगढ़ का यह उद्योग सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, आर्थिक रूप से भी स्थानीय लोगों के जीवन का मजबूत आधार है। जिले की अर्थव्यवस्था में कृषि के साथ यह उद्योग भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। निजामाबाद की फैंसी पॉटरी विशेष रूप से अपनी नक्काशी और चमकदार काले रंग के लिए प्रसिद्ध है।कुम्हार समुदाय द्वारा बनाए जाने वाले मिट्टी के बर्तन और देवी-देवताओं की प्रतिमाएं गणेश, लक्ष्मी, शिव, दुर्गा और सरस्वती मेलों और त्योहारों में खासकर लोकप्रिय रहती हैं। कलाकृतियों में पारंपरिक आस्था और कलात्मकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है। ब्लैक पॉटरी की खास विशेषता गहरा काला रंग है, जो एक विशेष प्रक्रिया से प्राप्त किया जाता है। कारीगर पहले तैयार बर्तन को मिट्टी और वनस्पति के घोल में डुबोते हैं, जिससे उसका आधार रंग बनता है।

यादों का संसार

(छप्पय)

यादों का संसार सुहाना होता इतना।
ढल जाती है रात न पूरा होता सपना।
बिन मौसम बरसात नहीं कुछ भी हैं कहते।
आँखों में भर अश्रु दिलों की बातें सुनते।
शब्दों का विस्तार ही खामोशी के साथ में।
मधुर-मधुर मुस्कान ले रहे हमेशा प्यार में।।

हार-जीत से दूर प्रेम की बगिया रहती।
जहाँ समर्पण भाव कहानी नूतन रचती।
ख्वाबों का संसार दिलों में खुशियाँ भरके।
आशाओं का दीप जलते हैं फिर जमके।
भाषा से होकर परे अद्भुत यह अहसास है।
अपनेपन की भूमि पर हर धड़कन विश्वास है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर सीएम योगी समेत डिप्टी सीएम ने किया याद

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अदम्य साहस, अप्रतिम शौर्य एवं उत्कृष्ट सुशासन के प्रतीक, हिंदवी स्वराज के संस्थापक, राष्ट्रनायक छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर कोटिशः नमन। उन्होंने कहा, मातृभूमि की रक्षा और सनातन संस्कृति के गौरव की पुनर्स्थापना के लिए उनका समर्पित जीवन और उच्च आदर्श हम सभी के लिए महान प्रेरणा हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। अद्वितीय वीरता, दूरदर्शी नेतृत्व और मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण से परिपूर्ण उनका जीवन राष्ट्रधर्म के जीवंत आदर्श के रूप में हमें निरंतर साहस और कर्तव्यपथ पर दृढ़ रहने की प्रेरणा देता है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने एक्स पर अपने संदेश में कहा, सनातन संस्कृति के ध्वजवाहक, राष्ट्र के गौरव और हिंदवी स्वराज के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन।

सीएम की नारजगी गौतमपल्ली थाने को पड़ी भारी, थाना प्रभारी समेत पूरा स्टाफ लाइन हाजिर

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी की नाराजगी के बाद राजधानी लखनऊ के संवेदनशील इलाके गौतमपल्ली थाने के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रत्नेश कुमार सिंह समेत सभी दारोगा, सिपाही व अन्य स्टाफ को लाइन हाजिर कर दिया गया है। पुलिस लाइन से विपिन सिंह को थाने का नया इंचार्ज बनाया गया है। पुलिस ने दो लोगों को फ्रॉड के आरोप में पकड़ा था। आरोप है कि इन दोनों को थाने में रातभर टॉर्चर किया गया और अगली सुबह उनसे 2.5 लाख रुपये अवैध रूप से अधिक वसूल लिए गए। इसके बाद दोनों को छोड़ दिया गया। शियकायत के बाद एसीपी हजरतगंज ने मामले की जांच की। जांच में सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पूरा मामला खुल गया। जिसके बाद थाने का पूरा स्टाफ लाइन हाजिर कर दिया गया। मुख्यमंत्री आवास के ठीक बगल वाले थाने में इस तरह की वसूली और यातना की घटना सामने आने पर सीएम योगी आदित्यनाथ बेहद नाराज हो गए। उन्होंने साफ संकेत दिया कि पुलिस की छवि खराब करने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्रवाई होगी। यह कार्रवाई लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट द्वारा की गई है। फिलहाल नए स्टाफ की तैनाती की जा रही है।

गुड फ्राइडे पर यीशु मसीह के बलिदान को याद किया

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के अलीगंज स्थित असेंबली ऑफ बिलीवर्स चर्च शाखा में गुड फ्राइडे की विशेष आराधना आयोजित की गई। चंदगंज में हुई इस आराधना में करीब 120 लोग शामिल हुए। माहौल पूरी तरह श्रद्धा और भक्ति से भरा रहा।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या: 01-विद्युत/सा0/प्रयागराज/26-27 दिनांक: 01.04.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 27.04.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

क्रम संख्या: 01 निविदा सूचना संख्या: ELG-01-2627
कार्य का नाम: प्रयागराज मंडल टाइप II और III स्टाफ क्वार्टरों में पावर प्वाइंट वायरिंग व्यवस्था का प्रावधान। (चरण I)
काम की लागत (रु.में): 22382791.00 | बिड सिक्योरिटी (रु.में): 447700.00
कार्य समाप्त करने की समयावधि: 06 महीना

क्रम संख्या: 02 निविदा सूचना संख्या: ELG-02-2627
कार्य का नाम: 'प्रयागराज: ADEN / FTP के अंतर्गत PMPR स्टेशन पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं (MEA) की कमी को पूरा करने हेतु प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2 को ऊंचे स्तर तक उठाने' के कार्य से संबंधित विद्युत कार्य। CNB-TDL खंड के अंतर्गत Patta (PTRA) स्टेशन पर MEA की कमी को पूरा करने हेतु प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2 को ऊंचे स्तर तक उठाने का कार्य।
काम की लागत (रु.में): 8615630.54 | बिड सिक्योरिटी (रु.में): 172300.00
कार्य समाप्त करने की समयावधि: 06 महीना

क्रम संख्या: 03 निविदा सूचना संख्या: ELG-03-2627
कार्य का नाम: PRYJ डिवीजन के Rura (RURA) स्टेशन पर दिव्यांगजनों की सुविधा बहाल करने के लिए पुराने FOB को 6.10 मीटर चौड़े नए FOB (रैंप सहित) से बदलने के काम से जुड़ा इलेक्ट्रिकल काम। CNB-TDL सेक्शन के तहत BPU (Bhaupur) में दिव्यांगजनों के लिए FOB पर रैंप की व्यवस्था करने के काम से जुड़ा इलेक्ट्रिकल काम। Maitha स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2 की ऊँचाई बढ़ाकर हाई लेवल तक करने के कार्य से संबंधित विद्युत कार्य।
काम की लागत (रु.में): 9686047.27 | बिड सिक्योरिटी (रु.में): 193700.00
कार्य समाप्त करने की समयावधि: 06 महीना

क्रम संख्या: 04 निविदा सूचना संख्या: ELG-04-2627
कार्य का नाम: 'अछियापुर-टूंडला सेक्शन के अंतर्गत KNS स्टेशन पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं (MEA) की कमी को पूरा करने के लिए प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2 को ऊंचे स्तर तक उठाने और उनका विस्तार करने' के कार्य से संबंधित विद्युत कार्य। 'अछियापुर-टूंडला सेक्शन के अंतर्गत PTX स्टेशन पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं (MEA) की कमी को पूरा करने के लिए प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2 को ऊंचे स्तर तक उठाने और उनका विस्तार करने' के कार्य से संबंधित विद्युत कार्य।
काम की लागत (रु.में): 9449190.27 | बिड सिक्योरिटी (रु.में): 189000.00
कार्य समाप्त करने की समयावधि: 06 महीना

क्रम संख्या: 05 निविदा सूचना संख्या: ELG-05-2627
कार्य का नाम: 'प्रयागराज: ADEN/FTP के अंतर्गत KBN स्टेशन पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं (MEA) की कमी को पूरा करने हेतु प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2/3 को ऊंचे स्तर तक उठाने के कार्य से संबंधित विद्युत कार्य।'
काम की लागत (रु.में): 3985574.45 | बिड सिक्योरिटी (रु.में): 79700.00
कार्य समाप्त करने की समयावधि: 06 महीना

क्रम संख्या: 06 निविदा सूचना संख्या: ELG-06-2627
कार्य का नाम: 'पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन DDU (दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन) पर 30 बिस्तरों वाले रनिंग रूम और लॉबी के प्रस्ताव' से संबंधित विद्युत कार्य। पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, गाजियाबाद, PRYJ मंडल: प्रयागराज मंडल की 21 RPF चौकियों पर महिला बल सदस्यों के लिए चेंजिंग रूम के निर्माण से संबंधित विद्युत कार्य।
काम की लागत (रु.में): 7712480.40 | बिड सिक्योरिटी (रु.में): 154300.00
कार्य समाप्त करने की समयावधि: 06 महीना

निविदा खुलने की तिथि: 27.04.2026, समय-15:00 बजे। इसे सक्षम Sr.DEE/G/PRYJ का अनुमोदन प्राप्त है। नोट: 1. उपरोक्त ई-टेंडर के बारे पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 738/26 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.......

जिहादी मानसिकता का सिलसिला जारी

गत 29 मार्च को दिल्ली पुलिस ने आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा के खूंखार जिहादी अहमद लोन उर्फ राजा कश्मीरी को दबोच लिया। बकौल मीडिया रिपोर्ट, उसकी कुदृष्टि राजधानी के पवित्र कालकाजी मंदिर और कनॉट प्लेस जैसे भीड़–भाड़ वाले क्षेत्रों पर थी। पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं के इशारे पर वह लश्कर के लिए भारतीय मुस्लिम युवाओं की भर्ती का जाल बुन रहा था। यह कोई अकेली हालिया घटना नहीं है। कुछ दिन पहले ही देश के विभिन्न राज्यों में चलाए गए एक बड़े आतंकवाद–रोधी अभियान के तहत सुरक्षा एजेंसियों ने आई.एस. अलकायदा से जुड़े 12 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था। इनमें बाइक टैक्सी चालक मोहम्मद रहमतुल्लाह शरीफ, रेस्तरां कर्मचारी मिर्जा सोहेल बेग और लेजर मार्किंग विशेषज्ञ मोहम्मद दानिश शामिल हैं। लब्बोलुआब यह है कि जिस मानसिकता के साथ मोहम्मद बिन कासिम ने 8वीं शताब्दी में सनातन भारत पर हमला किया, फिर उसके मानसबंधुओं ने सदियों तक जिहाद किया, इस दौरान ड्क्षहदू–बौद्ध बहुल अफगानिस्तान का इस्लामीकरण हो गया, 1947 में देश को इस्लाम के नाम पर विभाजित किया गया और 1980–90 के दौर में कश्मीर को ड्क्षहदू–विहीन कर दिया गया, वह जिहादी चिंतन अब भी अपरिवर्तित है, चाहे कोई उच्च–शिक्षित ही क्यों न हो। इन गिरफ्तारियों से पहले पिछले साल नवम्बर में दिल्ली में चलती कार में हुए भीषण विस्फोट, जिसे फिदायीन डा. उमर उन नबी ने अंजाम दिया था, उसमें कई लोगों की जान चली गई थी। उस समय दिल्ली के नजदीक फरीदाबाद से लगभग 3000 किलो विस्फोटक, हथियारों का जखीरा और बम बनाने के उपकरणों के साथ अल–फलाह अस्पताल के कई जिहादी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया गया था। उसी क्रम में गुजरात पुलिस ने डा. अहमद मोहिउद्दीन सैयद को उसके दो सहयोगियों के साथ पकड़ा था, जो अरंडी के बीजों से घातक राइसिन जहर तैयार कर रहा था, ताकि पानी और भोजन के जरिए बड़े नरसंहार को अंजाम दिया जा सके। यदि कोई इन घटनाओं को केवल 'ताजा हालात' मानकर समझना चाहता है, तो वह सच से आंख चुरा रहा है। वास्तव में,. भारतीय उपमहाद्वीप में एक वर्ग आज भी उन्हीं आक्रांताओं–कासिम, गजनवी, गोरी, बाबर, औरंगजेब, अब्दाली को अपना 'नायक' मानता है, जिन्होंने इस भूखंड पर 'काफिर–कुफ्र' की अवधारणा से प्रेरित होकर कत्लेआम किया, मंदिर तोड़े और सांस्कृतिक अस्मिता को रौंदा। इस सोच का एक हिस्सा आज भी 'गजवा–ए–ड्क्षहद' जैसे खतरनाक मंसूबे को मजहबी जिम्मेदारी मानता है। यही कारण है कि अक्तूबर 1947 में जब पाकिस्तान ने कश्मीर पर हमला किया, तब अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कई छात्र पाकिस्तानी सेना में भर्ती हो रहे थे। यहां तक कि जम्मू–कश्मीर की रियासती सेना में कई मुस्लिम टुकडियां भी मजहब के नाम पर शत्रुओं से जा मिलीं थी। यह भी स्थापित तथ्य है कि भारत का विभाजन कराने वाले न तो बाहर से आए थे, न ही उसके सभी राजनीतिक समर्थक बंटवारे के बाद पाकिस्तान चले गए। यदि ऐसा होता, तो शायद खंडित भारत में मुस्लिम अलगाववाद–कट्टरवाद धीरे–धीरे समाप्त हो जाता या फिर वे इंडोनेशिया–मलेशिया की तरह स्थानीय सनातन संस्कृति से सहज तालमेल बिठा लेते। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। भारत–ड्क्षहदू विरोधी मार्क्स–मैकॉले मानसपुत्रों ने 'सैकुलरवाद' के नाम पर इस प्रक्रिया को शुरू ही नहीं होने दिया। नतीजा यह हुआ कि मुस्लिम समाज के एक वर्ग के लिए 'लोकतंत्र' और 'संविधान' विकास या सुधार न होकर केवल पहचान की राजनीति तक सिमट गया है। आजादी के बाद सितम्बर, 1947 में दिल्ली की घटना इस मानसिकता को समझने का एक महत्वपूर्ण आधार देती है। कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जे.बी. कृपलानी ने स्पष्ट शब्दों में लिखा था, 'पुलिस द्वारा मुस्लिम घरों और मस्जिदों की तलाशी में बम, हथियार और गोला–बारूद के बड़े भंडार बरामद हुए थे।' यह भीड़ की अचानक ड्क्षहसा नहीं, बल्कि दिल्ली पर फिर से इस्लामी परचम लहराने की तैयारी थी। तब यह स्थिति और गंभीर इसलिए हो गई, क्योंकि पुलिस बल का एक बड़ा मुस्लिम वर्ग अविश्वसनीय निकला। तब सरकार को दूसरे राज्यों से फौज बुलानी पड़ी। उस समय दिल्ली एक प्रकार के भीषण जिहाद से जूझ रही थी। सरदार पटेल ने जिस दृढ़ता से इस मजहबी उन्माद का सामना किया, वह आज भी उदाहरण है। प्यारेलाल द्वारा लिखित 'महात्मा गांधी रू द लास्ट फेज' (खंड 2) के अनुसार, जब पटेल को बताया गया कि एक इमारत से मुस्लिमों द्वारा लगातार गोलीबारी हो रही है और उसे हटाने के लिए पूरी इमारत को बम से उड़ाना पड़ेगा, तो पटेल का जवाब था–'तो फिर किया क्यों नहीं?' यह स्पष्ट संदेश था कि देश की सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं हो सकता। फिर भी डी.पी. मिश्रा (दो बार मध्य प्रदेश से कांग्रेसी मुख्यमंत्री) के अनुसार, उस नाजुक दौर में सरदार पटेल को पूरा राजनीतिक समर्थन प्राप्त नहीं था। यही विकृति आज भी विभिन्न रूपों में दिखाई देती है। भारत के सामने चुनौती केवल जिहाद से लडने की नहीं, बल्कि उस विचारधारा को समझने और रोकने की है, जो इसे जन्म देती है। आतंकवादी अहमद लोन की गिरफ्तारी एक चेतावनी है ।

बारूद के ढेर पर बैठी दुनिया और गांधी से डरता समाज

निलेश देसाई

आज की दुनिया एक अजीब और डरावनी विडंबना से गुजर रही है। एक तरफ हमारे पास कृत्रिम मेधा (एआई) और अंतरिक्ष फतह करने वाली तकनीक है, तो दूसरी तरफ हमारे विचार पाषाण युग की हिंसक प्रवृत्तियों की ओर लौट रहे हैं। रूस की सीमाओं से लेकर मध्य–पूर्व के मलबों तक, और दक्षिण चीन सागर की लहरों से लेकर हमारे अपने भीतर पनपती नफरत तककृपूरी मानवता आज बारूद के ढेर पर बैठी है। ऐसे समय में जब मिसाइलों की गर्जना और ड्रोनों की भिनभिनाहट को राष्ट्रीय गौरव का संगीत मान लिया गया हो, महात्मा गांधी की याद आना कई लोगों को एक पुरानी पड़ चुकी रस्म लग सकता है। लेकिन हकीकत इससे कहीं अधिक गहरी और कड़वी है। गांधी आज अप्रासंगिक नहीं हुए हैं, बल्कि वे आज के समाज और सत्ता के लिए पहले से कहीं अधिक असुविधाजनक और असहज हो गए हैं। सच तो यह है कि आज का वैश्विक समाज गांधी से डरता है, क्योंकि गांधी केवल शांति की बात नहीं करते, वे उस नैतिक साहस की मांग करते हैं जो आज की दुनिया में लगभग विलुप्त हो चुका है। युद्ध का उत्सव और शांति का डररूआज युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहेय वे हमारे ड्राइंग रूम और मोबाइल स्क्रीन तक पहुंच चुके हैं। टेलीविजन स्क्रीन युद्ध को एक श्लाइव तमाशाश बना रही हैं और सोशल मीडिया हिंसा को एक सामान्य, यहां तक कि गौरवशाली घटना की तरह परोस रहा है। युद्ध की इस मानसिकता में सबसे पहली बलि संवाद की चढ़ती है। गांधी का डर यहीं से शुरू होता है। गांधी हमें एक ऐसी जगह ले जाकर खड़ा कर देते हैं जहां श्दुश्मनश की कोई सरल और इकहरी परिभाषा नहीं है। आज की राजनीति और सार्वजनिक विमर्श को स्पष्ट दुश्मन चाहिए ताकि वे अपनी हिंसा को जायज ठहरा सकें। लेकिन गांधी याद दिलाते हैं कि अन्याय कहीं भी हो, आत्मचिंतन की जिम्मेदारी दोनों पक्षों की है। वे याद दिलाते हैं कि श्आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा बना देगी।श आज की सत्ताएं और युद्धोन्मादी समाज इस वाक्य से इसलिए डरते हैं क्योंकि यह उनके प्रतिशोध के तर्क को कमजोर कर देता है। हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जो बाइनरी (या तो आप हमारे साथ हैं या दुश्मन के साथ) पर टिका है। सोशल मीडिया ने हमारी सुनने की क्षमता घटा दी है और चीखने की ताकत बढ़ा दी है। इस शोर के बीच गांधी की आवाज धीमी, संयमित और सबसे बढ़कर प्रश्नवाचक है। आज जब युद्धों को न्यायपूर्ण और अपरिहार्य बताकर प्रचारित किया जाता है, तब गांधी का यह प्रश्न कि, क्या आपका साधन आपके साध्य को ही नष्ट तो नहीं कर रहा? सत्ता और समाज दोनों को असहज कर देता है। गांधी सत्ता के लिए असहज थे और आज भी हैं, क्योंकि वे केवल विरोध में नहीं, बल्कि समर्थन में भी नैतिक सवाल खड़े करते थे। वे अपने अनुयायियों से भी पूछते थे कि क्या उनका क्रोध उचित है? क्या उनकी शांति केवल कायरता का आवरण तो नहीं? आज की कैंसिल कल्चर वाली दुनिया में, जहां असहमति का उत्तर केवल नफरत और बहिष्कार है, गांधी का संवाद का आग्रह एक बौद्धिक खतरे की तरह देखा जाता है। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि आज के तानाशाह और विस्तारवादी ताकतें गांधी की भाषा नहीं समझतीं। यह दलील देकर हम गांधी को एक तरफ हटा देते हैं ताकि हम अपनी हिंसा को श्व्यावहारिकताश का नाम दे सकें। लेकिन क्या वास्तव में युद्ध व्यावहारिक हैं? इतिहास गवाह है कि अधिकांश युद्धों ने तात्कालिक विजय तो दी, लेकिन स्थायी शांति कभी नहीं। उन्होंने केवल अगले युद्ध के बीज बोए। गांधी की अहिंसा कायरों का अस्त्र नहीं थी। वह दुनिया के सबसे शक्तिशाली साम्राज्य के सामने निहत्थे खड़े होने का साहस थी। आज समाज इसलिए डरता है क्योंकि अहिंसा में जवाबदेही अपने ऊपर लेनी पड़ती है। हिंसा में दोष हथियारों, हालातों और इतिहास पर मढ़ा जा सकता है, लेकिन अहिंसा में दोष अपने भीतर खोजना पड़ता है। यह एक श्नैतिक ऑडिटश है, जिससे गुजरने की हिम्मत आज के पोस्ट–ट्रूथ युग में कम ही दिखती है। हम गांधी को नोटों पर छाप सकते हैं, उनकी मूर्तियों पर माला चढ़ा सकते हैं, लेकिन उन्हें अपने जीवन में उतारने का मतलब होगाकृअपनी सुख–सुविधाओं और अहंकार का त्याग करना और यही वह बिंदु है जहां समाज गांधी से किनारा कर लेता है। युवाओं में गांधी के प्रति बढ़ती दूरी को भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। आज का युवा त्वरित परिणाम और इंस्टेंट जीत का आकांक्षी है। गांधी धैर्य, आत्मसंयम और दीर्घकालिक नैतिक संघर्ष की बात करते हैं। हमने गांधी को शिक्षा और राजनीति के माध्यम से एक नीरस पाठ बना दिया है। हमने उन्हें केवल स्वच्छता और चरखे तक सीमित कर दिया, जबकि वे सत्ता की निरंकुशता और समाज की जड़ता के खिलाफ सबसे बड़े बागी थे। आज जब दुनिया भर में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संकट में है, तब गांधी की वह सत्याग्रही छवि डराती है जो कहती थी कि अन्यायी कानून को न मानना हमारा कर्तव्य है। व्यवस्था को गांधी के भजन पसंद हैं, उनका सत्याग्रह नहीं। समाज को गांधी की पूजा पसंद है, उनका प्रश्न नहीं। आज की वैश्विक विभीषिका के दौर में गांधी कोई क्विक फिक्स या तुरंत मिलने वाला समाधान नहीं हैं। वे एक दिशा हैं, एक नैतिक कंपास हैं। जब चारों ओर युद्ध का शोर हो, तब एक शांत आवाज ही हमें भटकाव से बचा सकती है। गांधी इसलिए प्रासंगिक नहीं हैं कि वे सब कुछ ठीक कर देंगे, बल्कि इसलिए प्रासंगिक हैं क्योंकि वे हमें आईना दिखाते हैं। वे याद दिलाते हैं कि हर युद्ध अंततरू एक मानवीय विफलता है। वे याद दिलाते हैं कि जब तक हम दूसरे को श्मनुष्यश मानना बंद नहीं करेंगे, तब तक शांति केवल दो युद्धों के बीच का अंतराल बनी रहेगी। सच तो यह है कि हम गांधी से इसलिए दूर नहीं हो रहे कि वे हमें कुछ देना बंद कर चुके हैं, बल्कि इसलिए कि वे हमसे बहुत कुछ मांगते हैंकृकठोर ईमानदारी, गहरी करुणा और खुद की गलतियों को स्वीकार करने का साहस।

चूल्हों में बुझती आग

सर्वमित्रा सुरजन

नया वित्तीय वर्ष शुरु होते ही देश में एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में फिर से बढ़ोतरी की गई है। व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर कम से कम 200 रुपये तक और छोटे सिलेंडर यानी एफटीएल सिलेंडर की कीमत अब 51 रुपये तक की बढ़त हुई है। 5 किलोग्राम का एफटीएल (फ्री ट्रेड एलपीजी) सिलेंडर इंडियन ऑयल द्वारा दिए जाने वाला एक छोटा, पोर्टेबल गैस सिलेंडर है, जो ठोस पते के बिना केवल पहचान पत्र के आधार पर मिल जाता है। यानी प्रवासी मजदूरों, छात्रों और रेहड़ी–पटरी लगाने वालों के लिए यह बड़ा सहारा होता है। लेकिन अब वे इस महंगे सिलेंडर को खरीद पाएंगे या नहीं कौन जानता है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक घरेलू सिलेंडर के दाम बढ़ाने की कोई खबर तो आई नहीं है, लेकिन सरकार का पीछे से आकर धप्पा करने का जो तरीका है, उसमें अब लोगों को एक धक्का और खाने के लिए तैयार रहना चाहिए। वैसे भी इस देश के बहुसंख्यक हिंदुओं को एक धक्का और के जुमले में ही तो भाजपा ने फंसाया है और लोग खुशी–खुशी फंसे भी, क्योंकि उन्हें लगा कि धर्म बचेगा तो हम बचेंगे। अब पता चल रहा है कि पेट की आग तो हिंदू, मुसलमान, ईसाई सबकी एक जैसी ही होती है। पेट की आग अब और भड़केगी, क्योंकि चूल्हों में आग बुझने लगी है। एक अप्रैल की सुबह सिलेंडर की कीमतें बढ़ने की खबर आई, तो मन में विचार उठा काश, ये सरकार का अप्रैल फूल वाला कोई मजाक हो। लेकिन फिर ध्यान आया कि इस सरकार को हास–परिहास से सख्त नफरत है। संघ का प्रशिक्षण ही ऐसा है कि मुस्कुराना गुनाह लगने लगता है। हर समय तने हुए चेहरे और चढ़ी हुई भृकुटियां ही इन्हें पसंद आती हैं। साहब तो मुस्कुराते भी तभी हैं जब वे खुद विदेश में हों या किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष से गलबहियां करते हों। अभी फरवरी में ही देश ने देखा है कि कैसे इजरायल जाकर मोदी इसी बात पर जोर से ठहाके मार रहे थे क्योंकि वहां के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि देखो मेरी पत्नी ने भी भगवा पहना है। नरेन्द्र मोदी ने बस उन्हें सेम पिंच नहीं किया, वर्ना भगवा देखकर खुश होने की हरकत कर अपने पद की गरिमा गिराने में कोई कसर उन्होंने छोड़ी नहीं थी। वे भूल गए थे कि भारत की जनता के पैसों पर उनका इजरायल दौरा देश के प्रधानमंत्री की हैसियत से हुआ है, वर्ना भाजपा उन्हें अपने खर्च पर चांद भेजे और वहां जाकर वो भगवा–भगवा करें, किसे फर्क पड़ता है। लेकिन जब जनता के दिए टैक्स से करोड़ों रुपये खर्च करके विदेशी दौरे होते हैं, तो उनका मकसद देश और जनता के हित को सर्वोपरि रखना ही होना चाहिए। मगर अभी जो हो रहा है, उसे जनता से बेहतर कौन समझ सकता है। इजरायल जाकर मोदी लौटे नहीं कि ईरान पर हमला हो गया और उसके बाद ईंधन का ऐसा संकट देश में खड़ा हुआ कि अब फिर से अंगीठी सुलगाने के दिन आ गए हैं। हालांकि उसके लिए भी कोयला, लकड़ी और कैरोसिन का संकट सामने है। जिस सरकार ने कैरोसिन का उपयोग बंद करवाने के दावे किए थे, वही मोदी सरकार अब फिर से उसे बेचने की छूट दे रही है। लोगों से कहा जा रहा है कि आप कैरोसिन से स्टोव जलाइए। हालांकि अब बाजार में मिट्टी तेल से जलने वाले स्टोव मिलना भी मुश्किल है। अगर मिल भी रहे हैं तो पहले से कई गुना बढ़े दामों पर। इसके अलावा बिजली से चलने वाले चूल्हों की मांग भी बढ़ गई है, तो उनकी कीमतें भी अनाप–शनाप बढ़ रही हैं। इसके बाद महिलाओं के सामने एक ही चारा बचता है कि वे मिट्टी के चूल्हे बनाकर गोबर के उपलों से आग जलाकर खाना पकाएं।पिछले दिनों कुछ ऐसी खबरें देखने मिलीं, जिनमें कोयले, लकड़ी या उपलों से जले चूल्हे पर पके भोजन के स्वाद की तारीफ की गई। पुराना जमाना याद दिलाया गया कि कैसे हमारी दादी–नानी के पकाए भोजन में अलग सा स्वाद होता था, क्योंकि वे जमीन पर बैठकर मिट्टी के चूल्हे पर भोजन पकाती थीं। वाकई भक्तों की बुद्धि की दाद देनी पड़ेगी। अब देखना ये है कि मिक्सर ग्राइंडर की जगह सिलबट्टे और मशीन से अनाज पीसने की जगह फिर से पत्थर वाली चक्की का इस्तेमाल शुरु करने के लिए कौन से तर्क दिए जाते हैं। ऐसे में कोई महिलाओं की आजादी, दफ्तर जाने वाली महिलाओं पर पड़ने वाला दोहरा बोझ या इसी तरह की बेतुकी बात करे, तो फिर रानी लक्ष्मीबाई का उदाहरण भक्त दे सकते हैं। जब एक महिला अपनी पीठ पर बच्चे को बांध कर घोड़े पर सवार हो अंग्रेजों से लड़ सकती है, ताकि उसकी झांसी बचे, तो क्या आज की आधुनिक स्त्री अपने देश की खातिर, परिजनों की सेवा की खातिर इतना सा बोझ नहीं उठा सकती। प्रधानमंत्री मोदी चाहें तो अब अपने भाषण की पंक्तियों को बदल भी सकते हैं। उन्होंने बूढ़ी मांओं को रसोई के धुएं से होने वाली तकलीफ का जिक्र किया था, अब वे बता सकते हैं कि उनके बचपन में उन्होंने चक्की पीसती महिलाओं को देखकर संघर्ष का कैसा सबक लिया है। वैसे भी इस देश के लोग तो इसी बात पर द्रवित होते रहे हैं कि बेचारे मोदीजी ने कितनी मुश्किलों से चाय बेच–बेच कर आठ हजार करोड़ तक के हवाई जहाज का सफर तय किया है। उन्हें भी एक दिन ऐसे ही ऐश करने का मौका मिल सकता है, बशर्ते जनता अभी ऐसे संघर्ष करने के लिए तैयार रहे। इसलिए तो 2014 से लेकर 2016 तक तरह–तरह के अच्छे दिन जनता ने देखे हैं। मिट्टी तेल से लेकर एलपीजी सिलेंडर तक सबकी कालाबाजारी के दिन लौट आए हैं। सरकार ने नियंत्रण का काम छोड़ दिया है। हर दिन पेट्रोलियम मंत्रालय से अधिकारी आकर वक्तव्य पढ़ देते हैं कि कहीं किसी चीज की कमी नहीं है, देश में तेल और गैस का भरपूर भंडार है। कर्तव्य पथ पर बैठे लोग अब इसी तरह कर्तव्य निभाएंगे, उन्हें वहां से उठकर आम गलियों के भीतर जाने की जरूरत महसूस ही नहीं होती, ताकि वहां जाकर देखें कि आम लोगों तक इस तेल और गैस के भंडार से आपूर्ति आसानी से हो रही है या नहीं। कभी खुशी, कभी गम फिल्म याद कीजिए, उसमें अमिताभ बच्चन बार–बार कहते हैं– कह दिया, बस कह दिया।

सीमा वर्णिका की कलम से

'पछतावा'

'इनका बहुत ख्याल रखियेगा। इनकी हालत ठीक नहीं है समय पर दवा जरूर दें,' कहते हुए डॉक्टर साहब गेट के बाहर निकल गये।

डॉक्टर साहब को गेट के बाहर छोड़कर गोयल साहब वही बरामदे में पड़ी कुर्सी पर धँस से गए। बड़ा भारी मन था उनकी आँखों के सामने अतीत के दृश्य सजीव हो उठे।

'वह भी क्या करते ..दिन भर की नौकरी चाकरी .. मशक्कत के बाद दिल दिमाग परेशान हो जाता था और सुबह से कब शाम हो जाती ...पता ही नहीं चलता ..इसी में शादी के पचास वर्ष बीत गये.. कभी मौका ही नहीं मिला जो कुछ कहते सुनते,' गोयल साहब के दिमाग में रील सा घूम रहा था। वह परिस्थितियों को जिम्मेदार ठहरा कर स्वयं को सही सिद्ध करना चाहते थे।

'कितनी बातें वह बोलना शुरू करती और वह आधे में ही बात काटकर वहाँ से दाएँ बाएँ हो जाते..स्मृतियाँ अनवरत आवागमन कर रही थी,' गोयल साहब गहरी सोच में डूबे थे।

'अब रिटायरमेंट के बाद जब वक्त मिलने लगा तब पत्नी डिमेंशिया का शिकार हो चुकी है अब बोलने को बहुत कुछ ...पर सुनने वाला कोई नहीं ..किसी को कोई शिकवा शिकायत नहीं . .,' ठण्डी साँस भरते हुए गोयल साहब बुदबुदाए।

'हे प्रभु ! अब जीवन में पसरा है सन्नाटा ..और शेष रह गया है पछतावा .. मन का शोर जीने नहीं दे रहा अब तो अपनी ही आवाज अपने ही कानों से टकराकर लौट आती है ..मुझे माफ कर देना भगवान,' गोयल साहब मन ही मन बोल रहे थे।

सीमा वर्णिका, कानपुर

(saxenaseema919@gmail.com)

नक्सल मुक्त क्षेत्रों को अब सुशासन की आवश्यकता

विपिन पब्बी

1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी में हुए विद्रोह के बाद से, वामपंथी उग्रवाद या नक्सलवाद अक्सर हत्याओं, मुठभेड़ों और हिंसा की खबरों के साथ सुर्खियों में बना रहा है। एक समय ऐसा था जब देश के एक चौथाई से अधिक हिस्से–पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में, जिसे 'रैड कॉरिडोर' कहा जाता था–में नक्सलियों का दबदबा था। जहां सुरक्षा बलों के सदस्यों, नक्सलियों और आम नागरिकों सहित हजारों लोग मारे गए या घायल हुए, वहीं इन क्षेत्रों में, विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में विकास कार्य लगभग ठप्प हो गया था। नक्सलियों ने अपनी समानांतर सरकार बना ली थी और वे सड़कों के निर्माण या बुनियादी ढांचे के विकास की अनुमति नहीं देते थे, ताकि सरकार और सुरक्षा बलों को दूर रखा जा सके। एक लंबी अवधि तक सरकार इस खतरे से लड़ती रही और नक्सलियों के प्रभाव को मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ तक सीमित करने में सफल रही। इस आंदोलन के खिलाफ एक निर्णायक अभियान 2006 में शुरू हुआ, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने घोषणा की कि माओवादी हिंसा 'आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा' है। हालांकि, वर्तमान सरकार द्वारा इसे बड़ा बढ़ावा दिया गया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च, 2026 तक देश को 'नक्सल मुक्त' बनाने की समय सीमा तय की। नक्सली हिंसा से छुटकारा पाने के अपने संकल्प में प्रभावी कदम उठाने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार को श्रेय दिया जाना चाहिए। अमित शाह ने अपनी निर्धारित समय सीमा से एक दिन पहले देश को 'नक्सल मुक्त' घोषित करते हुए बताया कि पिछले 3 वर्षों में 4,839 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया, 706 मारे गए और 2,218 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।''2024 की शुरुआत में माओवादियों की केंद्रीय समिति और पोलित ब्यूरो में 22 सदस्य थे। आज एक भी नहीं है।'' उन्होंने कहा कि नक्सलवाद 'लगभग खत्म हो चुका है' और माओवादियों के खिलाफ बल प्रयोग का बचाव करते हुए कहा कि जो गोलियां चलाते हैं, उन्हें गोलियों से ही जवाब दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि नक्सलियों द्वारा इस्तेमाल किए गए 92 प्रतिशत हथियार पुलिस के शस्त्रागार से लूटे गए थे। जहां हिंसा को समाप्त करने के संकल्प के लिए सरकार को श्रेय दिया जाना चाहिए, वहीं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.) के नेतृत्व में अर्धसैनिक बलों के साथ–साथ संबंधित राज्यों के पुलिस बलों और अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सी.ए.पी.एफ्स) जैसे सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सी.आई.एस.एफ.), भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आई.टी.बी.पी.) और सशस्त्र सीमा बल (एस.एस.बी.) ने हिंसा से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहां तक कि भारतीय सेना और वायुसेना भी नक्सलियों को बाहर निकालने के लिए कुछ ऑप्रेशनों में शामिल हुई। लेकिन इसका श्रेय उन अधिकारियों और श्रमिकों को भी जाता है, जो माओवादियों की धमकियों के बावजूद सड़कें बिछाने और बुनियादी ढांचे के निर्माण में लगे रहे, जिसने अंततरू पासा पलट दिया और माओवादियों ने जंगलों में अपना समर्थन खो दिया।

मडवी हिडमा, नंबला केशव राव, गणेश उइके, सत्यनारायण रेड्डी और रामचंद्र रेड्डी जैसे शीर्ष माओवादी नेताओं के मुठभेड़ों में मारे जाने और मल्लो जुला वेणुगोपाल राव, देवा बरसे और देवूजी जैसे नेताओं के आत्मसमर्पण ने माओवादियों के नेतृत्व को लगभग समाप्त कर दिया है।

रचना सक्सेना की ग़ज़ल

हम तो उलझे हुए उन सवालों में है
जिनके मिलते नहीं हल किताबों में है

भाग्य से जो मिली जिंदगी बेवफा
राह मुश्किल मिली, छाले पाँवों में है

इक तरफ आग है इक तरफ खाई भी
ख़्वाब जिनके भी जिंदा उसूलों में है

कोशिशों का सफ़र जबकि जारी रहा
चश्म-ए-पुर आब अब तो ख़िज़ाओं में है

बेज़ुबानों के दिल की समझता नहीं
बात समझी जिन्होंने इशारों में है

झूठ के हो गये पाँव लंबे बहुत
सच भी दिखता नहीं आज ख़बरों में है

बोया 'रचना' यहाँ काटना है वही
बाकी तकदीर तेरी दुआओं में है

रचना सक्सेना
अलोपीबाग, प्रयागराज

सैयारा के बाद इस फिल्म में नजर आएंगे अहान पांडे, सामने आया पहला लुक, अली अब्बास जफर करेंगे निर्देशन

सैयारा फेम एक्टर अहान पांडे एक एक्शन–रोमांटिक फिल्म में नजर आएंगे। आज अली अब्बास जफर ने इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए फिल्म से अहान पांडे का पहला लुक शेयर किया है, जिस पर फैंस दिल हार बैठे हैं। अहान पांडे की इस फिल्म की शूटिंग आज से आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। जल्द ही मुख्य अभिनेत्री और आधिकारिक शीर्षक की घोषणा की जाएगी। फिल्म का निर्माण वाईआरएफ कर रहा है। इसकी शूटिंग मुंबई और विदेशों में होगी। अहान पांडे की इस फिल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर अहान पांडे की है। इस तस्वीर में अहान के चेहरे का कुछ हिस्सा साफ नजर आ रहा है, क्योंकि बाकी की तस्वीर धुंधली है। छोटे बाल में अहान का यह लुक कमाल का लग रहा है। इस तस्वीर को देखकर ऐसा लग रहा है कि वह किसी को देखते नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तस्वीर एक क्लैप बोर्ड की है। जिसके साथ लिखा, यश राज फिल्म्स, प्रोडक्शन नंबर 79, निर्देशक अली अब्बास जफर। अहान की इस दूसरी फिल्म के पहले लुक ने सेलेब्स और फैंस का दिल जीत लिया है। अभिनेता अर्जुन कपूर ने लिखा, मास और साथ ही फायर इमोजी बनाया है। टीवी अभिनेता हितेन तेजवानी ने लिखा, बधाई हो अली सर, अहान की मां डीन ने लिखा, पूरी टीम को शुभकामनाएं, रजत बेदी ने लिखा,

> “ छोटे बाल में अहान का यह लुक कमाल का लग रहा है। इस तस्वीर को देखकर ऐसा लग रहा है कि वह किसी को देखते नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तस्वीर एक क्लैप बोर्ड की है।

बधाई हो अली भाई, एक फैन ने लिखा, बहुत ज्यादा उत्साहित हूं, दूसरे फैन ने लिखा, अहान तुम कमाल कर दोगे, वहीं कई फैंस अहान के इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। सैयारा जैसी लव स्टोरी करने के बाद अब एक्शन–रोमांस फिल्म में आहान को एक बिल्कुल नए अंदाज में नजर आएंगे। यह फिल्म आदित्य चोपड़ा और अली अब्बास जफर की पांचवीं फिल्म है, जिनकी जोड़ी ने मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है जैसी हिट फिल्में दी हैं।

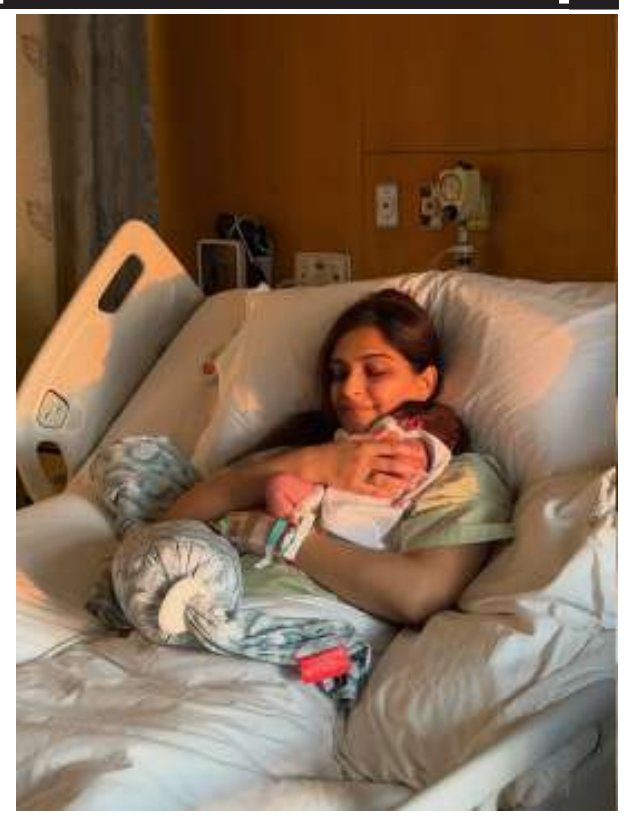

मां बनने के एक हफ्ते बाद सोनम कपूर ने दिखाई बच्चे की झलक, सेलेब्स ने दिए ऐसे रिएक्शन

हाल ही में दूसरी बार मां बनीं सोनम कपूर ने सोशल मीडिया पर अपने बच्चे की झलक दिखाई है। इसके साथ अभिनेत्री ने एक लंबी पोस्ट लिखी है। पोस्ट में उन्होंने अस्पताल को धन्यवाद दिया है। पोस्ट पर उनके फैंस और कई सेलेब्स ने रिएक्शन दिए हैं। आइए जानते हैं सोनम की पोस्ट में क्या खास है? एक्ट्रेस सोनम कपूर और उनके पति आनंद आहूजा ने 29 मार्च को अपने दूसरे बच्चे का स्वागत किया था। बच्चे के जन्म से दोनों खुश हैं। सोनम कपूर ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें देखा जा सकता है कि वह अपने बेटे के साथ बेड पर हैं। उन्होंने बच्चे को गोद में लिया है। एक दूसरी तस्वीर में सोनम ने ब्लैक ड्रेस पहनी है और खाना खा रही हैं। यह दोनों तस्वीरें अस्पताल की हैं। सोनम कपूर ने अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में उस अस्पताल की तारीफ की है, जहां उन्होंने बच्चे को जन्म दिया है। उन्होंने अस्पताल के साथ यहां के डॉक्टर और टीम की भी तारीफ की है और धन्यवाद दिया है। सोनम कपूर की इस पोस्ट को कई यूजर्स लाइक कर रहे हैं। कई सेलेब्स ने इस पर कमेंट किए हैं। अभिनेत्री काजोल, शनाया कपूर, खुशी कपूर, कोंकणा सेन शर्मा और नेहा धूपिया ने कमेंट बॉक्स में दिल वाला इमोजी कमेंट किया है। वहीं सोनल चौहान ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। आपको बता दें कि सोनम की मुलाकात आनंद से 2015 में प्रेम रतन धन पायो के प्रमोशन के दौरान हुई थी। 2018 में इस जोड़े ने एक निजी समारोह में शादी कर ली। 2022 में सोनम और आनंद ने अपने पहले बेटे वायु का स्वागत किया था।

कपिल शर्मा ने 63 दिनों में 11 किलो वजन ऐसे किया कम, ट्रेनर बताई उनकी वेट लॉस जर्नी

मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा ने अपनी शानदार कॉमेडी के साथ–साथ फिटनेस ट्रांसफॉर्मेशन से भी लोगों को हैरान किया। अपने 45वें जन्मदिन के मौके पर उनकी वेट लॉस जर्नी फिर से चर्चा में है। उन्होंने सिर्फ 63 दिनों में लगभग 11 किलो वजन कम किया, जो उनके ट्रेनर योगेश भाटेजा की खास रणनीति का नतीजा था। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि यह ट्रांसफॉर्मेशन कैसे हुआ।

कौन हैं योगेश भाटेजा?

योगेश भाटेजा एक जाने–माने फिटनेस कोच हैं, जिन्होंने कई बॉलीवुड सेलेब्स के साथ काम किया है। उन्होंने फराह खान और सोनू सूद जैसे सितारों को भी ट्रेन किया है। उन्होंने एक वीडियो के जरिए कपिल शर्मा के साथ अपने अनुभव को साझा किया और बताया कि फिटनेस सिर्फ जिम करने से नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल बदलने से आती है।

फिटनेस की शुरुआत कैसे होती है?

योगेश भाटेजा के अनुसार, ज्यादातर लोग तब फिटनेस पर ध्यान देते हैं जब उनकी लाइफस्टाइल बिगड़ जाती है। भारत में अक्सर लोग नाश्ते में ब्रेड–बटर, चाय, पराठे या स्नैक्स खाते हैं और बाहर का खाना भी बिना सोचे–समझे खा लेते हैं। उन्होंने बताया कि असली बदलाव तब शुरू होता है जब इंसान यह समझने लगता है कि वह क्या खा रहा है और कैसे जी रहा है। खाने–पीने, पानी पीने, सांस लेने और रोजमर्रा की आदतों पर ध्यान देने से धीरे–धीरे शरीर में बदलाव आने लगता है।

फिटनेस में मानसिक तैयारी क्यों जरूरी है?

ट्रेनर का मानना है कि फिटनेस सिर्फ शरीर से नहीं, बल्कि दिमाग और इमोशन से शुरू होती है। अगर आप मानसिक रूप से तैयार नहीं हैं, तो कोई भी डाइट या वर्कआउट लंबे समय तक काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि कपिल शर्मा के साथ भी उन्होंने पहले उनकी मेंटल और इमोशनल तैयारी पर काम किया, ताकि वे बिना दबाव के इस जर्नी को पूरा कर सकें।

कपिल शर्मा की वेट लॉस जर्नी

कपिल शर्मा ने अपने वेट लॉस की शुरुआत धीरे–धीरे की। उन्हें शुरुआत में कठिन एक्सरसाइज नहीं करवाई गई, बल्कि स्ट्रेचिंग और हल्के मूवमेंट से शुरुआत की गई। भाटेजा के अनुसार, कई लोग शुरुआत में ही ज्यादा वर्कआउट करने लगते हैं, जिससे वे जल्दी थक जाते हैं और जर्नी बीच में ही छोड़ देते हैं। इसलिए कपिल के साथ आसान और टिकाऊ तरीका अपनाया गया।

21–21–21 रूल क्या है? (63 दिनों का प्लान)

कपिल शर्मा के वेट लॉस के लिए 63 दिनों का एक खास प्लान बनाया गया, जिसे 21–21–21 रूल कहा गया। इसमें हर 21 दिन एक नई आदत पर फोकस किया गया।

पहले 21 दिनः बॉडी मूवमेंट

इस स्टेप में सिर्फ शरीर को एक्टिव करने पर ध्यान दिया गया। कपिल ने रोजाना हल्की एक्सरसाइज, स्ट्रेचिंग और स्कूल के समय वाली च्ज जैसी एक्टिविटी की। इस दौरान उन्हें सख्त डाइट फॉलो करने के लिए नहीं कहा गया। उद्देश्य था शरीर को धीरे–धीरे मूवमेंट की आदत डालना, ताकि आगे की स्टेज आसान हो सके।

अगले 21 दिनः डाइट में बदलाव

दूसरे चरण में खाने की आदतों को सुधारा गया। इसमें ज्यादा सख्ती नहीं रखी गई, बल्कि धीरे–धीरे हेल्दी बदलाव किए गए। उन्हें सिर्फ यह समझने के लिए कहा गया कि क्या खाना सही है और क्या नहीं। बिना ज्यादा कैलोरी गिनने के, उन्होंने अपनी डाइट को संतुलित करना शुरू किया।

आखिरी 21 दिनः खराब आदतों पर कंट्रोल

तीसरे चरण में स्मोकिंग, शराब, ज्यादा कैफीन और ओवरईटिंग जैसी आदतों को कम करने पर ध्यान दिया गया। इस स्टेज तक पहुंचते–पहुंचते शरीर और दिमाग दोनों इस बदलाव के लिए तैयार हो चुके थे, इसलिए इन आदतों को छोड़ना आसान हो गया।

कब दिखने लगा असर?

योगेश भाटेजा के अनुसार, लगभग 42 दिनों के बाद शरीर में बदलाव दिखने लगता है। यही बदलाव इंसान को आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट करता है। 63 दिनों के अंत तक कपिल शर्मा ने लगभग 11 किलो वजन कम कर लिया और उनका पूरा लुक बदल गया। कपिल शर्मा का वेट लॉस इस बात का उदाहरण है कि फिटनेस के लिए सिर्फ कठिन डाइट या भारी वर्कआउट जरूरी नहीं है। सही प्लान, ध्ीरे–धीरे बदलाव और मजबूत मानसिकता से बड़े रिजल्ट हासिल किए जा सकते हैं।

इतने में पांच मलयालम फिल्में कर लूंगा', एक्टर टोविनो थॉमस ने बताया क्यों छोड़ी जूनियर एनटीआर की ड्रैगन?

प्रशांत नील की आगामी फिल्म ड्रैगन की फैंस बीच काफी चर्चा है। यह फिल्म एक एक्शन कॉमेडी फिल्म होगी। फिल्म में पहले अभिनेता टोविनो थॉमस भी थे। मगर अब उन्होंने फिल्म से खुद को पीछे हटा लिया। जिसका कारण भी एक्टर ने अपने फैंस को बताया। निर्देशक प्रशांत नील की फिल्म ड्रैगन एक हाई बजट फिल्म है। जिसका फैंस को काफी समय से इंतजार है। इस बीच खबर मिली थी कि मलयालम स्टार टोविनो थॉमस फिल्म में एक पॉवरफुल विलेन के रोल में नजर आएंगे। अपनी फिल्म पल्ली एक्ट बी के एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान एक्टर ने आधिकारिक रूप से इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा, मैं हमेशा से तेलुगु सिनेमा में काम करना चाहता था। मगर मॉलिवुड फिल्मों के काम करने का तरीका और टॉलीवुड का बहुत बड़ा अंतर है। हम बहुत कम समय में शूटिंग पूरी कर लेते हैं। वहीं इन फिल्मों की शूटिंग में काफी वक्त लगता है। मैं एक साथ कई फिल्मों में काम नहीं कर सकता। अपने पुराने कमिटमेंट हैं जिनके अनुसार मैं एनटीआर–नील की फिल्म को इतना टाइम नहीं दे सकता। इसीलिए मैं यह फिल्म छोड़ चुका हूं।

केजीएफ और सलार जैसी फिल्में बनाने के बाद अब प्रशांत नील अपनी बहुप्रतिक्षित फिल्म ड्रैगन बनाने जा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग पिछले साल फरवरी में शूट हुई थी। जिसके लिए जूनियर एनटीआर ने फिल्म के लिए अपनी बॉडी बिल्डिंग पर जमकर काम किया है। साथ ही केरल के परंपरिक मार्शल आर्ट्स कलरिपयट्टू की भी काफी ट्रेनिग ली है। इस कला में अनुशासन,युद्ध कौशल, संतुलन की जरूरत होती है। मगर फरवरी के बाद ही प्रशांत नील ने स्क्रिप्ट को और बेहतर बनाने के लिए लगभग छह महीने का ब्रेक लिया और शेड्यूल आगे खिसक गया था। फिल्म ड्रैगन एक पैन इंडिया प्रोजेक्ट है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी फिल्म में लंबी स्टार कास्ट हो सकती है। जूनियर एनटीआर फिल्म में मुख्य किरदार में हैं। फिल्म एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म है। रिपोर्ट्स के अनुसार पहले 2026 होने वाली फिल्म अब 2027 तक रिलीज हो सकती है।

रजा मुराद ने दिवंगत मां को दी भावभीनी श्रद्धांजलि, लिखा– सबसे बड़ा आशीर्वाद.

दिग्गज अभिनेता रजा मुराद ने अपनी दिवंगत मां लियाकत जहां बेगम की 98वीं जयंती पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने अपनी मां को अपना सबसे बड़ा आशीर्वाद बताया है। रजा मुराद ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां की एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में उनकी मां उन्हें गोद में लिए हुए हैं, जब वे सिर्फ एक छोटे बच्चे थे। इस तस्वीर के साथ रजा ने कैप्शन में, आज मेरी दिवंगत मां लियाकत जहां बेगम की 98वीं जयंती है। उनकी गोद में जो बच्चा है, वह आपका दोस्त रजा मुराद है। रजा मुराद ने इस तस्वीर के साथ लिखा कि मां जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने पुरानी कहावत दोहराई कि भगवान हर जगह नहीं रह सकते, इसलिए उन्होंने मां को बनाया। उन्होंने आगे लिखा, श्दुनिया में सब कुछ मिल सकता है, लेकिन मां की जगह कोई नहीं ले सकता। निश्चित रूप से मां इस धरती पर भगवान का सबसे बड़ा आशीर्वाद है। रजा मुराद ने 1972 में फिल्म 'एक नजर' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने मुख्य रूप से पिता, चाचा और खलनायक की भूमिकाएं निभाई हैं। उनकी यादगार फिल्मों में 'नमक हराम', 'प्रेम रोग', 'राम तेरी गंगा मैली', 'राम लखन', 'त्रिदेव', 'मोहरा', 'गुप्त' और 'पद्मावत' जैसी फिल्में शामिल हैं। उन्होंने 'जोधा अकबर' में भी काम किया है। इसके अलावा उन्होंने पंजाबी, तेलुगु फिल्मों और टीवी सीरियल 'मधुबाला' में भी अभिनय किया है। रजा मुराद अपनी भारी और गंभीर आवाज के लिए भी काफी मशहूर हैं।

स्किन केयर में पनीर का ऐसे करें इस्तेमाल, चौकाने वाले फायदे देख हो जाएंगे हैरान

पनीर का सेवन आपने कई तरह की स्वादिष्ट डिशेज में किया होगा लेकिन स्वाद से भरपूर होने के साथ–साथ यह पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है। इसे प्रोटीन का काफी अच्छा स्त्रोत माना जाता है। ऐसे में बहुत से लोग डेली डाइट में इसका सेवन करते हैं। लेकिन आप पनीर को अपनी स्किन केयर रुटीन में भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे त्वचा के लिए एक अच्छा मॉइश्चराइजिंग एजेंट माना जाता है। ग्लोइंग स्किन के लिए आप इससे तैयार फेसपैक इस्तेमाल कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसे इस्तेमाल करने की विधि के बारे में...

सामग्री

पनीर के टुकड़े – 1–2

नींबू का रस – 1 चम्मच

शहद – 1 चम्मच

विटामिन–ई कैप्सूल – 2

कैसे करें तैयार?

. सबसे पहले एक बाउल में पनीर का टुकड़ा डालें।

. इसे अच्छे से क्रश करें और इसमें नींबू का रस, विटामिन–ई कैप्सूल मिलाएं।

. सारी चीजों को मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें।

. आपका होममेड फेसपैक तैयार है।

ऐसे करें इस्तेमाल

. सबसे पहले चेहरे को अच्छे से सादे पानी से धो लें।

. फिर फेसपैक को चेहरे और गर्दन पर लगाएं।

. 10–15 मिनट सूखने के बाद चेहरा सादे पानी से धो लें।

. हफ्ते में दो बार आप इस फेसपैक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

फेसपैक लगाने के फायदे

टैनिंग होगी दूर

पनीर का फेसपैक लगाने से त्वचा की टैनिंग दूर होगी। यह फेसपैक स्किन पर होने वाले एजिंग लक्षणों को भी कम करने में सहायता करता है ।

झुर्रियां और फाइन लाइंस होते हैं दूर

इस फेसपैक को लगाने से झुर्रियां और फाइन लाइंस भी दूर होती हैं।

ग्लोइंग और बेदाग बनेगी स्किन

फेसपैक इस्तेमाल करने से स्किन ग्लोइंग और बेदाग भी बनती है।

यह फेसपैक त्वचा को पोषण देने में मदद करता है। त्वचा की खूबसूरती बढ़ाने के लिए आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपकी त्वचा को कोई नुकसान भी नहीं होगा । यह मास्क आपके चेहरे पर एक अच्छा क्लींजर, टोनर और मॉइश्चराइजर के रुप में कार्य करेगा।

लेकिन अगर आपको इस फेसपैक से कोई स्किन एलर्जी होती है तो इसका इस्तेमाल त्वचा पर न करें।

शराब जितनी कम, उतना बेहतर: ड्रिंक नहीं रोज जहर पी रहे हैं आप, शरीर का कर देती है ये हाल

शराब का सेवन आजकल सोशल लाइफ का हिस्सा बन चुका है, लेकिन डॉक्टरों के अनुसार यह हमारी सेहत और उम्र पर गहरा असर डालता है। अगर आप भी ये सोचते हैं कि सीमित मात्रा में शराब पीने वाले लोग ज्यादा अमीर, ज्यादा सामाजिक और ज्यादा सेहत के प्रति जागरूक होते हैं तो डॉक्टरों के अनुसार आप गलत हैं। आइए समझते हैं कि शराब शरीर को नुकसान के अलावा कुछ नहीं देती है।

शराब शरीर का कर देती है ये हाल

लिवर को नुकसानः शराब का सबसे ज्यादा असर लिवर पर पड़ता है। लगातार पीने से फैटी लिवर, हेपेटाइटिस और सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

दिल की सेहत पर असरः कुछ लोग मानते हैं कि थोड़ी शराब दिल के लिए ठीक है, लेकिन डॉक्टर कहते हैं कि ज्यादा या नियमित सेवन से ब्लड प्रेशर बढ़ता हैऔर हार्ट डिजीज का खतरा भी बढ़ जाता है।

दिमाग और नींद पर असरः शराब दिमाग को स्लो कर देती है। इससे याददाश्त कमजोर हो सकती है, नींद की क्वालिटी खराब होती है

वजन बढ़ना और मेटाबॉलिज्म खराब होनाः शराब में कैलोरी ज्यादा होती है, जिससे वजन बढ़ सकता है और शरीर का फैट बर्निंग सिस्टम धीमा हो जाता है।

कैंसर का खतराः डॉक्टर्स के अनुसार, शराब का सेवन माउथ, लिवर और ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को बढ़ा सकता है।

क्या थोड़ी शराब सुरक्षित है?

नई रिसर्च के अनुसार कोई भी मात्रा पूरी तरह सुरक्षित नहीं मानी जाती। हालांकि, अगर कोई पीता है तो "मॉडरेशन" (सीमित मात्रा) बहुत जरूरी है। अगर आप शराब छोड़ नहीं पा रहे हैं, तो हफ्ते में 1,2 बार से ज्यादा न पिएं, एक बार में 1,2 ड्रिंक से ज्यादा न लें।

खाली पेट शराब पीना जहर है। खाना खाने के बाद या साथ में पीने से शराब का असर थोड़ा कम होता है। इसके साथ– साथ हेल्दी लाइफस्टाइल रखें, नियमित एक्सरसाइज, संतुलित आहार और अच्छी नींद, ये सब शराब के नुकसान को कुछ हद तक कम कर सकते हैं।

यह लोग बिल्कुल ना पिए शराब

गर्भवती महिलाएं, लिवर या दिल के मरीज, जो लोग दवाइयां ले रहे हैं, मानसिक स्वास्थ्य से जूझ रहे लोग गलती से भी शराब का सेवन ना करें। डॉक्टरों का साफ कहना है कि शराब जितनी कम, उतना बेहतर। अगर आप लंबी और स्वस्थ जिंदगी चाहते हैं, तो शराब से दूरी बनाना ही सबसे सुरक्षित विकल्प है। याद रखें मजा कुछ पल का होता है, लेकिन असर लंबे समय तक रहता है।

बाल धोने में की ये गलती तो तेजी से झड़ने लगेंगे बाल!

आजकल बाल झड़ना एक आम समस्या बन गई है। लोग महंगे शैंपू, तेल और हेयर मास्क का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन फिर भी मनचाहा रिजल्ट नहीं मिलता। इसकी एक बड़ी वजह है। बाल धोने का गलत तरीका। अगर आप हेयर वॉश सही तरीके से नहीं करते, तो बाल कमजोर, रूखे और बेजान हो सकते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप सही हेयर वॉश रूटीन अपनाएं, जिससे बाल मजबूत, मुलायम और हेल्दी बन सकें।

क्यों जरूरी है सही तरीके से बाल धोना?

बाल धोना सिर्फ सफाई का काम नहीं है, बल्कि यह हेयर केयर का सबसे पहला और जरूरी स्टेप है। गलत तरीके से बाल धोने पर स्कैल्प को नुकसान पहुंचता है, जिससे डैंड्रफ, ड्राइनेस और हेयर फॉल जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

बाल धोने का सही तरीका

धोने से पहले लगाएं तेलः बाल धोने से पहले हल्का तेल लगाना बहुत फायदेमंद होता है। इससे स्कैल्प को पोषण मिलता है और बालों की ड्राइनेस कम होती है। साथ ही, बाल धोते समय टूटते भी कम हैं।

बालों को सुलझाकर ही धोएंः कई लोग सीधे उलझे बाल धोने लगते हैं, जिससे बाल ज्यादा टूटते हैं। हमेशा बाल धोने से पहले कंघी करके उन्हें सुलझा लें।

शैंपू की सही मात्रा का इस्तेमाल करेंः बहुत ज्यादा शैंपू बालों के नेचुरल ऑयल्स को खत्म कर देता है, जबकि कम शैंपू से बाल साफ नहीं होते। इसलिए एक सिक्के के आकार जितना शैंपू ही पर्याप्त होता है।

स्कैल्प को धीरे–धीरे मसाज करेंः शैंपू लगाते समय स्कैल्प को जोर से रगड़ने या खरोंचने से बचें। इससे बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। हल्के हाथों से मसाज करना ही सही तरीका है।

कंडीशनर का सही इस्तेमाल करेंः कंडीशनर को कभी भी बालों की जड़ों में न लगाएं। इसे केवल बालों के सिरों पर लगाएं और 4–5 मिनट बाद धो लें। इससे बाल मुलायम और स्मूद बनते हैं।

पानी का सही तापमान चुनेंः बहुत गर्म पानी बालों की नमी छीन लेता है और उन्हें रूखा बना देता है। हमेशा गुनगुने या ठंडे पानी

से ही बाल धोना चाहिए।

इन गलतियों से जरूर बचें

रोजाना बाल धोना

गीले बालों में कंघी करना

बार–बार शैंपू बदलना

गंदे तौलिये से बाल सुखाना।

बालों को हेल्दी रखने के लिए महंगे प्रोडक्ट्स से ज्यादा जरूरी है सही आदतें अपनाना। अगर आप बाल धोने का सही तरीका अपना लेते हैं, तो हेयर फॉल कम होगा और बाल नेचुरली मजबूत और चमकदार बनेंगे।

बच्चेदानी में बनते हैं सिस्ट तो दिखेंगे ऐसे लक्षण, बिल्कुल भी न करें नजरअंदाज!

महिलाओं को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है जिनमें से सबसे आम समस्या है बच्चे दानी से जुड़ी समस्याएं। बच्चेदानी से जुड़ी समस्याएं होने के कारण महिलाओं को प्रेग्नेंसी और मां बनने में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। बच्चेदानी में सिस्ट होने पर महिलाओं को कई गंभीर परेशानियों हो सकती है जैसे ब्लीडिंग, तेज दर्द आदि। खासकर गर्भ ठहरने के बाद बच्चेदानी में सिस्ट की समस्या का खतरा रहता है। बच्चेदानी में मौजूद लिक्विड के कारण गर्भ में मौजूद एग सिकुड़ जाने या फिर अंडे के फर्टिलाइज न होने पर बच्चेदानी में सिस्ट बनने का खतरा होने लगता है। इसके अलावा यदि पीरियड्स से संबंधी समस्याएं हो तो भी बच्चेदानी में सिस्ट बन सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कि बच्चेदानी में सिस्ट बनने पर क्या–क्या लक्षण दिख सकते हैं...

पीरियड्स के दौरान समस्या बढ़ना

यदि बच्चेदानी में सिस्ट हो तो पीरियड्स के दौरान आपको कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके कारण या तो पीरियड्स समय से पहले आते हैं या फिर बहुत दिन बाद आते हैं। इसके अलावा सिस्ट के कारण पेट में दर्द और ब्लीडिंग जैसी समस्याएं भी होने लगती हैं।

ब्लीडिंग होते रहना

सिस्ट बनने के कारण आपको ब्लीडिंग जैसी समस्या हो सकती है। पीरियड्स के अलावा भी आपको वेजाइनल ब्लीडिंग या फिर डिस्चार्ज जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

पेशाब करते समय परेशानी होना

इस समस्या के कारण आपको पेशाब करते समय भी कई सारी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। पेशाब के दौरान बहुत ज्यादा दर्द होना, पेशाब रुक–रुक कर आना आदि।

उल्टी आना

इसके कारण आपको लगातार उल्टी आने की समस्या भी हो सकती है। उल्टी और घबराहट जैसे लक्षण बच्चेदानी में सिस्ट के कारण दिख सकते हैं।

पेट के निचले हिस्से में दर्द और सूजन

यदि आपको पेट के निचले हिस्से में बहुत ज्यादा दर्द और सूजन होती है तो यह भी समस्या का ही एक लक्षण हो सकता है। इसके अलावा पेट के निचले हिस्से में खिंचाव और भारीपन लगना भी सिस्ट का ही लक्षण हो सकता है।

यदि आपके शरीर में भी यह लक्षण दिख रहे हैं तो एक बार डॉक्टर को संपर्क जरुर कर लें।

खत्म हो गया है डिशवॉस साबुन तो इन 4 तरीकों से चमकाएं किचन में पड़े गंदे बर्तन

बर्तन धोने के लिए आजकल कई तरह के डिशवॉश साबुन इस्तेमाल किए जाते हैं। लेकिन कई बार ऐसी परिस्थिति आ जाती है कि साबुन भी नहीं होता और घर में मेहमान आ जाते हैं। ऐसे में आप गंदे बर्तनों को चमकाने के लिए कुछ आसान तरीकों का इस्तेमाल कर सकते हैं। घर में अगर डिशवॉशिंग साबुन खत्म हो गया है तो आप इन तरीकों के साथ गंदे से गंदा बर्तन भी आसानी से साफ कर सकते हैं।

तो आइए जानते हैं इनके बारे में...

नींबू का रस

नींबू के रस का इस्तेमाल करके आप बर्तनों के जिद्दी दाग आसानी से साफ कर सकते हैं। इसे बर्तनों को साफ करने के लिए एक अच्छा क्लींजर माना जाता है। इससे बर्तन साफ करने के लिए बेकिंग सोडा में इसका रस मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण से बर्तन साफ करें। इससे बर्तन भी साफ होंगे और उनसे अच्छी खुशबू भी आएगी।

टमाटर

सब्जी में इस्तेमाल होने वाला टमाटर भी आपका काम आसान कर सकता है। इसके छिलके से आप बर्तनों को आसानी से साफ कर सकते हैं। टमाटर के छिलकों में मौजूद रस बर्तन साफ भी करेगा और उन्हें चमकाने में भी मदद करेगा। इसके लिए पहले बर्तनों को पानी से धोएं फिर इन पर टमाटर के छिलकों को रगड़ें। 10–15 मिनट के लिए बर्तन ऐसे ही रहने दें। तय समय के बाद बर्तन सादे पानी से धो लें।

लकड़ी की राख

लकड़ियां जलाकर बची हुई राख आप बर्तनों को चमकाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे लेकर गंदे बर्तनों पर रगड़ें। अच्छी तरह रगड़ने के बाद तय समय के बाद बर्तन सादे पानी से धो लें।

बेकिंग सोडा

केक में इस्तेमाल होने वाला बेकिंग सोडा आप बर्तन साफ करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले बर्तनों को गर्म पानी से धो लें। फिर इनपर बेकिंग सोडा छिड़कें। 5–10 मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें। तय समय के बाद स्पंज को पानी में डुबाएं और बर्तनों पर स्क्रब करें। तय समय के बाद बर्तनों का सादे पानी से धो डालें। यह आसानी से चमक जाएंगे।

संक्षिप्त

आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ने संजीव गोयनका पर साधा निशाना, बीसीसीआई से की ये मांग

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी एक बार फिर चर्चा में हैं। ललित मोदी ने आईपीएल में लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका के खिलाफ विवादित टिप्पणी की है और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से टीम पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। ये पहली बार नहीं है जब ललित मोदी ने गोयनका पर निशाना साधा है। इससे पहले भी वह लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक पर अपनी भड़ास निकाल चुके हैं। मालूम हो कि ललित मोदी को भगोड़ा घोषित किया जा चुका है और वह लंबे समय से देश से बाहर है। लखनऊ और दिल्ली कैपिटल्स के बीच एक अप्रैल को इकाना स्टेडियम में हुए मैच में लखनऊ को हार का सामना करना पड़ा था। मैच के बाद संजीव गोयनका को कप्तान ऋषभ पंत के साथ बातचीत करते हुए देखा गया था जिसमें गोयनका पंत को कुछ कहते दिख रहे थे। इस घटना को फैंस और आलोचक गोयनका और केएल राहुल के बीच आईपीएल 2024 में हुई घटना से जोड़ कर देख रहे हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा था कि टूर्नामेंट में एक गेम हुआ है। इसकी कोई जरूरत नहीं है। ललित मोदी ने एक्स पर लिखा, मैंने आपसे कहा था कि लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका आईपीएल में टीम के मालिक बनने के लायक नहीं हैं। मैं उनके बर्ताव से सच में शर्मिंदा हूं। मैंने आईपीएल को फैंस और खिलाड़ियों दोनों के लिए बनाया था, न कि हर बार, हर साल ऐसा होने के लिए। अगर मैं अभी भी चेयरमैन और कमिश्नर होता तो मैं उसे तुरंत बैन कर देता और टीम का मालिकाना हक हमेशा के लिए छीन लेता। गोयनका घमंडी हैं। इसी मुद्दे के लिए फ्रेंचाइजी अनुबंध में एक क्लॉज है। बीसीसीआई इसे लागू करे, ईमानदारी सबसे ऊपर रहे। फैंस और खिलाड़ी दोनों इसे याद रखेंगे। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने एक वीडियो पोस्ट करते हुए संजीव गोयनका और ऋषभ पंत के बीच सबकुछ ठीक होने का स्पष्टीकरण दिया था। वीडियो के कैप्शन में लिखा था कि आप जो कुछ भी देख रहे हैं वह सच नहीं है। यहां मैच के बाद की अनफिल्टर्ड वाइब्स हैं, जब कैमरे कट नहीं करते। मैच के बाद संजीव गोयनका ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा था, यह एक लंबा सीजन है और ऐसे पल कुछ मतलब का बनाने का हिस्सा होते हैं। मुझे अपने कप्तान और टीम पर पूरा भरोसा है कि वे मजबूती से वापसी करेंगे। हमारे फैंस, इकाना में आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। हम और मजबूत होकर वापस आएंगे। इस सीजन में लखनऊ की कहानी अभी लिखी नहीं गई है।

ईरान युद्ध के बीच वैश्विक तेल बाजार में उछाल, ब्रेंट क्रूड का भाव 109 डॉलर के पार पहुंचा

नई दिल्ली,एजेंसी। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में शुक्रवार को तेज उछाल दर्ज किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान पर अगले दो से तीन हफ्तों में संभावित सैन्य कार्रवाई की चेतावनी के बाद बाजार में सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ गई, जिससे तेल कीमतों में तेजी आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स करीब आठ प्रतिशत उछलकर 109.24 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड फ्यूचर्स 111.54 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड करता देखा गया। साप्ताहिक आधार पर भी तेल कीमतों में उतार–चढ़ाव देखने को मिला। यूएस ॅज् क्रूड में पिछले शुक्रवार के मुकाबले 11.94 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, ब्रेंट क्रूड में इसी अवधि के दौरान 3.14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो बाजार में अस्थिरता को दर्शाती है। सप्ताह के दौरान यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड में पिछले शुक्रवार के मुकाबले 11.94 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि ब्रेंट क्रूड में इसी अवधि में 3.14 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब पांचवें हफ्ते में पहुंच गया है, जिससे वैश्विक बाजार से हर दिन लाखों बैरल तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है। इसके चलते ऊर्जा कीमतें कई साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) से गुजरने वाली सप्लाई पर निर्भर देशों में ईंधन की कमी भी देखने को मिल रही है। दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल की आपूर्ति इसी मार्ग से होती है। इस हफ्ते दिए गए अपने भाषण में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका आने वाले हफ्तों में ईरान पर बेहद कड़ा प्रहार कर सकता है। हालांकि, उन्होंने इस अहम समुद्री मार्ग को दोबारा खोलने की कोई स्पष्ट योजना नहीं बताई और अन्य देशों से इसे सुचारू करने की जिम्मेदारी लेने को कहा। विश्लेषकों का कहना है कि अगर पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ता है, तो कच्चे तेल की कीमतों, भारतीय रुपए और उभरते बाजारों में विदेशी निवेश पर दबाव बना रह सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर स्थिति में सुधार होता है तो कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और करेंसी में स्थिरता आ सकती है, लेकिन तनाव बढ़ने पर बाजार में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति और बढ़ेगी। कीमती धातुओं की बात करें तो कॉमेक्स गोल्ड फ्यूचर्स 0.48 प्रतिशत गिरकर 4,679.70 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था, क्योंकि निवेशक अनिश्चितता के बीच सुरक्षित निवेश विकल्प तलाश रहे हैं। इस बीच, गुड फ्राइडे के कारण घरेलू कमोडिटी बाजार सुबह के सत्र में बंद रहे। वहीं, पश्चिम एशिया के बढ़ते तनाव और करेंसी में उतार–चढ़ाव के चलते भारतीय शेयर बाजार लगातार छठे हफ्ते गिरावट के साथ बंद हुए, जहां दोनों प्रमुख बेंचमार्कों सेंसेक्स और निफ्टी में कमजोरी रही।

फखर जमां को पीएसएल की तकनीकी समिति ने भी दिया झटका, अपील हुई खारिज, दो मैच का निलंबन रहेगा बरकरार

लाहौर,एजेंसी। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज फखर जमां की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की तीन सदस्यीय तकनीकी समिति ने फखर की अपील खारिज कर दी है जिस कारण उन पर लगा दो मैचों का निलंबन जारी रहेगा। लाहौर कलंदर्स के ओपनर फखर जमां पर गेंद से छेड़छाड़ करने के लिए दो मैचों का निलंबन लगा है, लेकिन इस बल्लेबाज ने फैसले को चुनौती दी थी। समिति ने इस मामले पर सुनवाई की और सभी उपलब्ध ा सबूत के देखने के बाद मैच रेफरी रोशन महानामा द्वारा फखर पर लगाए बैन को बरकरार रखा। मैच रेफरी ने फखर पर गेंद की स्थिति बदलने के लिए लेवन तीन के उल्लंघन का चार्ज लगाया था। यह फैसला उम्मीद के मुताबिक ही था क्योंकि पिछले हफ्ते पीएसएल)मैच के दौरान फखर जमां द्वारा गेंद की स्थिति बदलने के खिलाफ पर्याप्त सबूत मौजूद थे। पीसीबी ने बयान में बताया, फखर जमां ने मैच रेफरी के उस फैसले के खिलाफ अपील की थी, जिसमें उन्हें 29 मार्च को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स मैच के दौरान खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए लागू आचार संहिता के अनुच्छेद 2.14 का उल्लंघन करने के लिए दो पीएसएल मुकाबलों के लिए निलंबित कर दिया गया था। पीसीबी ने कहा, इस अपील पर गुरुवार को पीएसएल तकनीकी समिति ने सुनवाई की जिसमें प्रोफेसर जावेद मलिक, डॉ. मुमरेज नक्शबंद और सैयद अली नकी शामिल थे। नए सिरे से जांच करने के बाद सभी सबूतों की समीक्षा करने और संबंधित व्यक्तियों

के बयान सुनने के बाद समिति ने अपील को खारिज कर दिया और मैच रेफरी रोशन महानामा द्वारा लगाए गए दो मुकाबलों के बैन को बरकरार रखा गया है।

अनुच्छेद 2.14 पीएसएल खेलने की शर्तों के नियम 41. 3 का उल्लंघन करते हुए गेंद की स्थिति बदलने से संबंधित है। फैसले में कहा गया कि पहली बार लेवल 3 का अपराध ा करने पर कम से कम एक मैच का बैन और ज्यादा से ज्यादा दो मुकाबलों का बैन लगाया जाता है। आचार संहिता के अनुसार, पीएसएल तकनीकी समिति द्वारा लिया गया कोई भी फैसला इस मामले का पूर्ण, अंतिम और निर्णायक निपटारा माना जाएगा और सभी पक्ष इस मानने के लिए बाध्यकारी होंगे। विवाद की शुरुआत तब हुई जब मैच के अंत में मैदानी अंपायरों ने लाहौर कलंदर्स पर पेनाल्टी लगाते हुए विपक्षी टीम को पांच रन दे दिए थे। इसके बाद कराची किंग्स की पारी के आखिरी ओवर से पहले गेंद को बदल दिया गया। फखर जमां पर यह आरोप मैदानी अंपायरों शाहिद सैकत और फैसल खान आफरीदी ने टीवी अंपायर आसिफ याकूब और चौथे अंपायर तारिक रशीद के साथ मिलकर लगाया था। फखर ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया था और आचार संहिता के तहत मिली अनुमति के अनुसार एक औपचारिक अनुशासनात्मक सुनवाई के दौरान आरोपों को चुनौती देने का फैसला किया था। मैच रेफरी रोशन महानामा ने सुनवाई की अध्यक्षता की थी। उन्होंने सबूतों की समीक्षा की और अंतिम फैसला लेने से पहले फखर को अपना पक्ष रखने का मौका दिया। इस सुनवाई में लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी, टीम डायरेक्टर समीन राणा और टीम मैनेजर फारूक अनवर भी मौजूद थे।

मेरी सफलता से जलते हैं, हार के बाद आलोचकों पर फूटा रहाणे का गुस्सा, क्यों भड़के केकेआर के कप्तान

कोलकाता,एजेंसी। आईपीएल 2026 में गुरुवार को ईडन गार्डेन में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच मुकाबला खेला गया। केकेआर को इस मैच में 65 रन से हार का सामना करना पड़ा। कप्तान रहाणे का बल्ला इस मैच में नहीं चला। वह 10 गेंदों पर आठ रन बनाकर आउट हुए।

आलोचकों ने रहाणे के स्ट्राइक रेट पर सवाल उठाए जिसका जवाब उन्होंने मैच के बाद दिया। रहाणे ने कहा, मेरा स्ट्राइक रेट 2023 से अब तक सबसे अच्छा है। जो लोग बात कर रहे हैं, वे शायद मैच नहीं देख रहे हैं या मेरे खिलाफ उनका कोई खास एजेंडा है। उन्हें मेरा खेलना पसंद नहीं है। मुझे खेलते हुए देखना पसंद नहीं है। मुझे जितनी सफलता मिली है, मुझे लगता है कि वे उससे जलते हैं। मैं ज्यादा परेशान नहीं हूं। मेरा इरादा वही था। कभी–कभी एक बल्लेबाज के तौर पर आपको फ्लो नहीं मिल पाता। जो लोग बात कर रहे हैं वे या तो गेम को नहीं समझते हैं या वे चाहते हैं कि मैं एक अलग तरह की पारी खेलूं। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि अजिंक्य रहाणे अपने गेम में इतना सुधार करेंगे।

केकेआर के कप्तान ने कहा, मुझे खुशी है कि वे मेरे बारे में बात कर रहे हैं फिर चाहे वो सकारात्मक हो या नकारात्मक। उन्हें बात करने दो। मुझे पता है कि मैं क्या कर रहा हूं। मुझे पता है कि मैंने पहले क्या किया है। मैं दूसरों की बातों के बारे में सोचने के बजाय खुद पर भरोसा करता हूं। जो भी इस बारे में बात कर रहे हैं, उन्हें बात करने दें।

आईपीएल 2023 के बाद से भारतीय बल्लेबाजों में पावरप्ले में सिर्फ अभिषेक (176.56) का स्ट्राइक रेट रहाणे (167.78) से बेहतर है। रहाणे के लिए दिक्कत यह है कि पावरप्ले के बाद उनका स्ट्राइक रेट गिर जाता है और इसी वजह से उनकी आलोचना होती है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ सीजन के पहले मुकाबले में 40 गेंदों पर 67 रन बनाने वाले रहाणे का बल्ला सनराइजर्स

हैदराबाद के खिलाफ नहीं चला और टीम को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। 227 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर 16 ओवर में 161 पर सिमट गई।

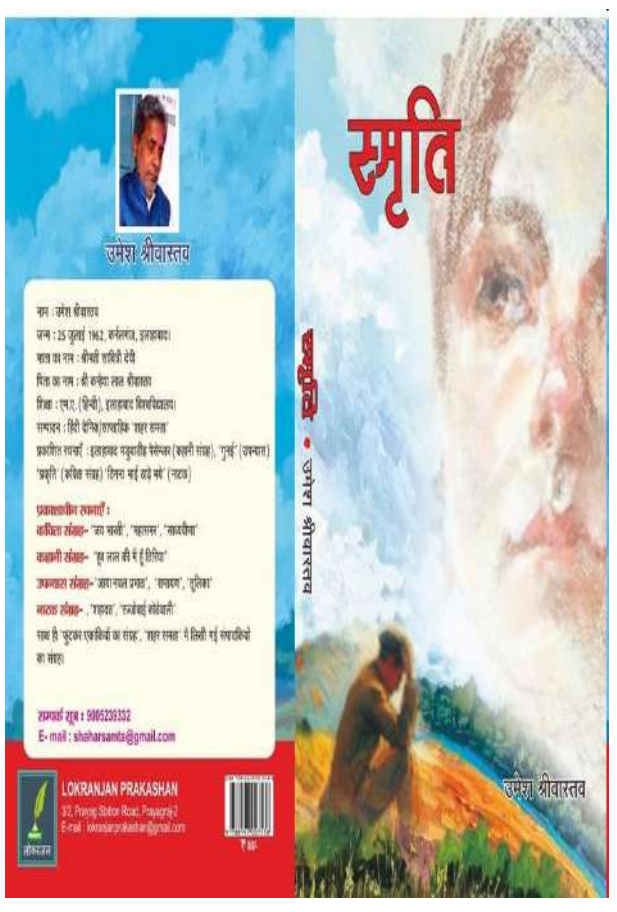

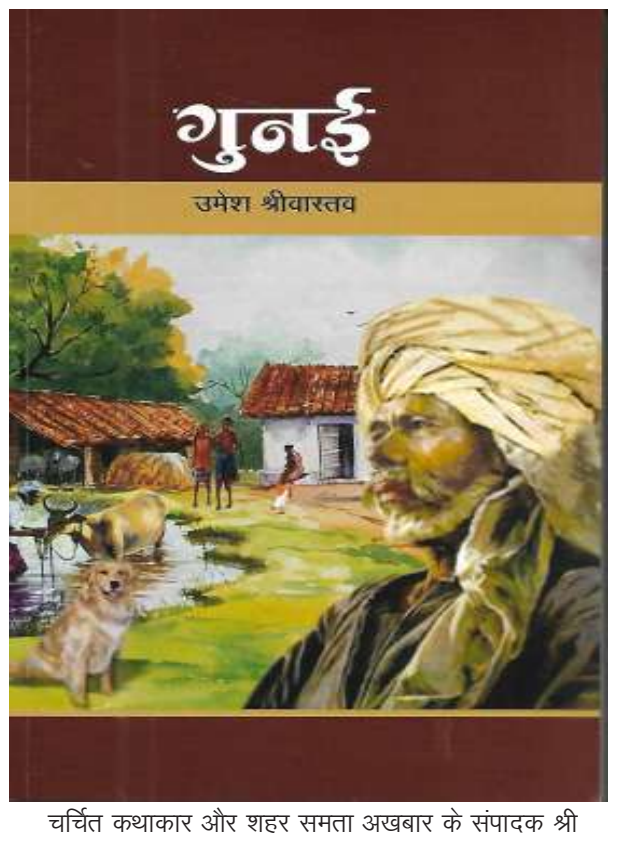

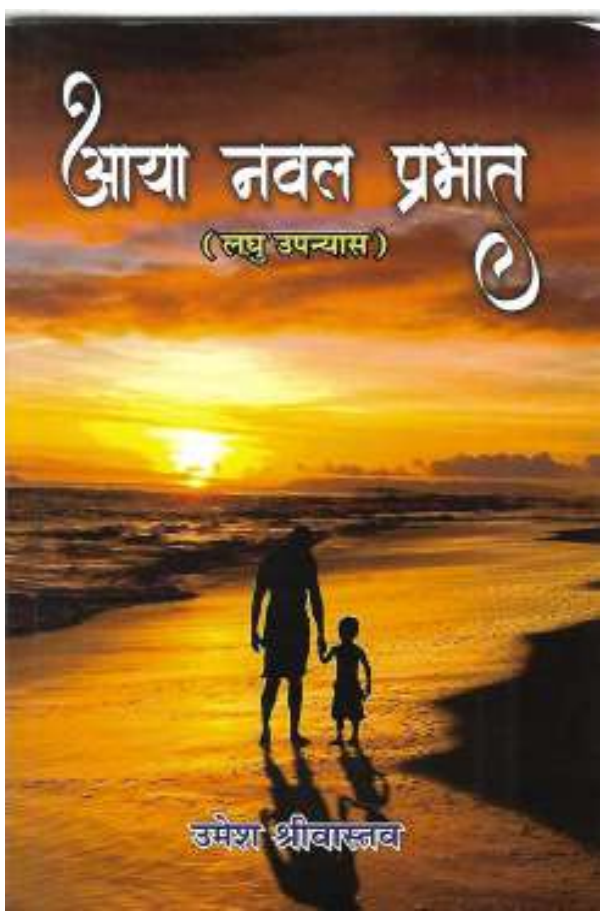

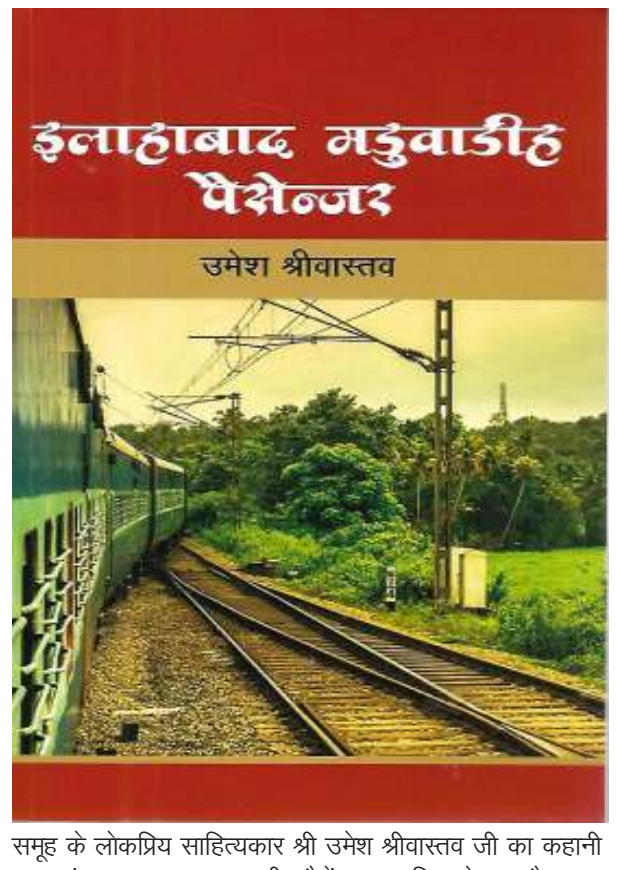

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

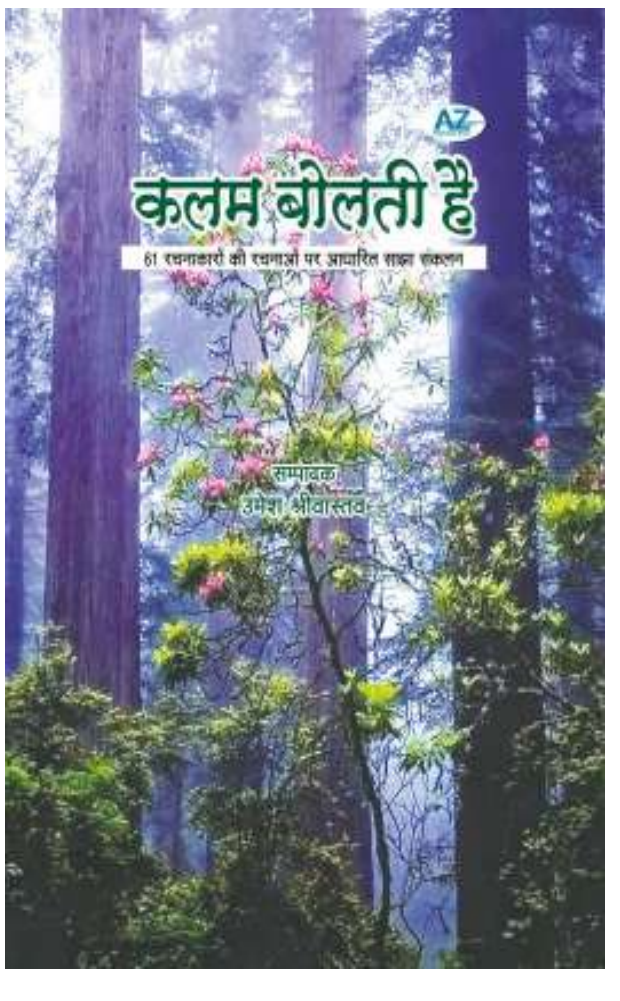

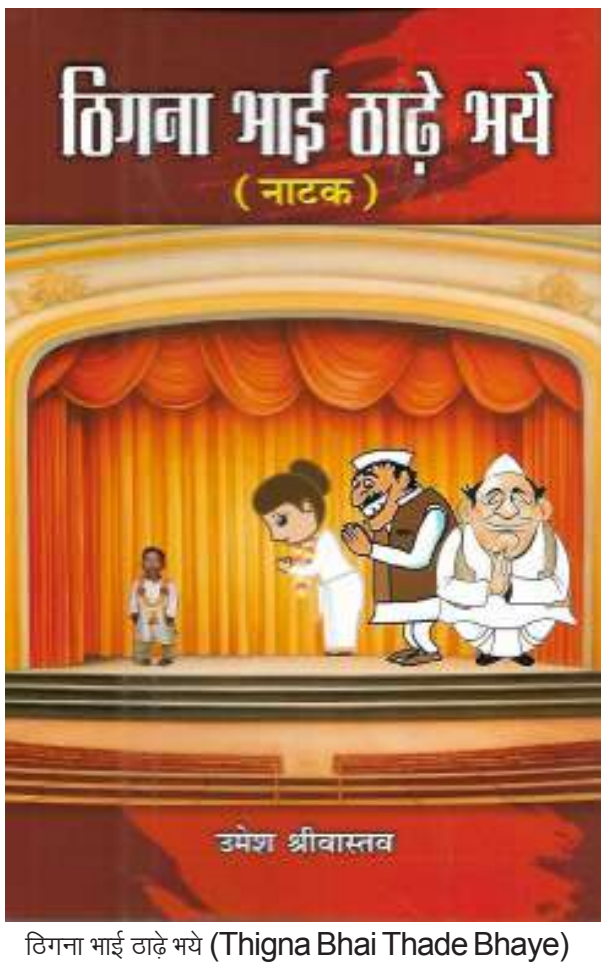

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

पश्चिम एशिया संकट: तेहरान के सबसे ऊंचे पुल पर यूएस - इस्राइल ने क्यों बरसाए बम? हमले में अब तक आठ की मौत, 95 घायल

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका–इस्राइल के बीच छिड़ी जंग को एक महीने से ज्यादा हो चुके हैं। शांति वार्ता के लिए की जा रहीं कोशिशों के बावजूद दोनों ओर से हमले जारी हैं। इस बीच अमेरिका और इस्राइल ने गुरुवार को ईरान के सबसे ऊंचे पुल यानी बी1 ब्रिज पर हवाई हमला किया। इस हमले में कम से कम आठ नागरिकों की मौत हो गई है, जबकि 95 अन्य घायल हो गए हैं। ईरानी मीडिया प्रेस टीवी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक सैन्य कार्रवाई का मुख्य निशाना करज का बी1 ब्रिज था। इस हमले के चलते आसपास के इलाकों में भारी संख्या में लोगों के हताहत होने की आशंका जताई गई है। बताया जा रहा है कि मौतों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। प्रकृति दिवस पर इकट्ठा हुए परिवार भी बने निशाना हमले में मारे गए लोगों में ईरानी यात्री और स्थानीय गांव के निवासी शामिल बताए जा रहे हैं। ये लोग हमले के समय पुल के पास मौजूद थे। प्रेस टीवी के अनुसार, मरने वालों में वे परिवार भी शामिल हैं जो प्रकृति दिवस के मौके पर उस क्षेत्र में थे, जब लोग बड़ी संख्या में बाहर निकले हुए थे। अमेरिका ने पुल को क्यों बनाया निशाना? एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर तेहरान जल्द ही समझौता नहीं करता है, तो उसके खिलाफ भीषण हमले किए जाएंगे। इन हमलों में उसके ऊर्जा ठिकानों और पानी के संयंत्रों को निशाना बनाया जाएगा। वहीं, बी1 पुल पर हुए हमले को इसकी बानगी माना जा रहा है। दरअसल, इस पुल पर हमले से तेहरान का अपने पड़ोसी शहर करज से पूरी तरह संपर्क टूट गया है। माना जा रहा है कि अमेरिका ईरान को दिखाना चाहता है कि वह उसके किसी भी ढांचे को कभी भी निशाना बना सकता है। राष्ट्रपति पेजेशकियन ने दी चेतावनी इन हमलों के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा है कि अमेरिकी और इस्राइली हमलावरों के खिलाफ ईरान अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल करके अपना बचाव करने की कसम खाई है। यह बयान ऐसे समय आया है जब तेहरान द्वारा इसे अकारण आक्रामकता का युद्ध बताए हुए एक महीने से अधिक समय हो गया है। अजरबैजान के राष्ट्रपति से पेजेशकियन की बातचीत ईरानी राष्ट्रपति ने गुरुवार को अपने अजरबैजानी समकक्ष इल्हाम अलीयेव के साथ एक टेलीफोन बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं। बातचीत के दौरान पेजेशकियन ने कहा कि वॉशिंगटन द्वारा हमलों और बमबारी शुरू करने के समय तेहरान अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष बातचीत कर रहा था।

संक्षिप्त

यूएन ने भारतीय सैनिकों को सराहा: शांति रक्षक दल ने अफ्रीकी देश में दूर किया संकट, आम लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने दक्षिण सूडान में तैनात भारतीय शांति सैनिकों के प्रयासों की सराहना की है। इन सैनिकों ने पिछले साल बाढ़ से प्रभावित एक महत्वपूर्ण आपूर्ति मार्ग को फिर से खोला है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि स्थानीय समुदायों की मदद करने में शांति मिशनों की भूमिका बहुत अहम है। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने न्यूयॉर्क में एक मीडिया वार्ता के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दक्षिण सूडान के मुश्किल समय में एक उम्मीद जगाने वाली खबर है। अपर नाइल राज्य में भारतीय इंजीनियरिंग यूनिट के सैनिकों ने मालाकाल–रेंक मुख्य सप्लाई मार्ग के एक बड़े हिस्से को सफलतापूर्वक चालू कर दिया है। यह रास्ता पिछले साल आई बाढ़ के बाद से पूरी तरह बंद था। उन्होंने कहा, सैनिकों ने बाढ़ के पानी के बीच से जमीन को फिर से निकाला और सड़क का नया ढांचा तैयार किया। अब अकोका–किलो 20–पालोइच–रेंक के रास्ते एक नया मार्ग बन गया है। इससे इलाके में लोगों का आना–जाना सुरक्षित होगा। साथ ही, इस रास्ते से जरूरतमंद लोगों तक खाना और दवाइयां जैसी मानवीय सहायता पहुंचाना बहुत आसान हो जाएगा। दुजारिक ने कहा कि भारतीय सैनिकों की यह कोशिश दिखाती है कि शांति मिशन किस तरह स्थिरता बनाए रखने में मदद करते हैं। वे सबसे कठिन वातावरण में भी कमजोर नागरिकों तक जरूरी मदद पहुंचाने का काम कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र मिशन दक्षिण सूडान (न्छडै) ने भी सोशल मीडिया पर इस सफलता की जानकारी साझा की है। मिशन ने बताया कि नया रास्ता बनने से क्षेत्र में गतिशीलता बढ़ेगी। बाढ़ की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल दक्षिण सूडान में हालात बहुत खराब थे। आठ राज्यों में करीब 13.5 लाख लोग बाढ़ की चपेट में आए थे। इस आपदा की वजह से लगभग 3 लाख 75 हजार 600 लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा था। ऐसे में इस मुख्य रास्ते का खुलना वहां के लोगों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। बता दें कि जनवरी 2026 तक, भारत UNMISS में सबसे अधिक सैनिक भेजने वाला देश था, जिसके 1,779 जवान इस शांति मिशन में तैनात थे।

यूएन में ड्रैगन का कड़ा विरोध, अमेरिका से कहा- हमले की धमकी के बदले शांति-कूटनीति की राह चुनें

वॉशिंगटन एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि ा फू कोंग ने पश्चिम एशिया में किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई

का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संस्था को संबोधि ात करते हुए कहा कि सदस्य देशों को सैन्य कार्रवाई की अनुमति देना गलत होगा। उनके अनुसार, ऐसी अनुमति देना बल के अवैध और अंधाधुंध इस्तेमाल को कानूनी मान्यता देने जैसा है। क्या बोले चीनी प्रवक्ता? चीन का यह औपचारिक विरोध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों के जवाब में आया है। ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सख्त लहजे का इस्तेमाल किया था। चाइना डेली के अनुसार, चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने इस स्थिति पर स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा कि सैन्य तरीके बुनियादी तौर पर किसी भी मुद्दे को हल नहीं कर सकते। माओ निंग ने जोर देकर कहा कि संघर्ष को और बढ़ाना किसी भी पक्ष के हित में नहीं है। अमेरिका ने दी चेतावनी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अमेरिका अगले दो से तीन हफ्तों के भीतर ईरान पर बहुत जोरदार हमला करने जा रहा है। इस बयान ने पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ा दिया है। ट्रंप का कहना है कि वाशिंगटन का यह सैन्य अभियान ईरान के खतरे को खत्म करने के करीब है। अपने संबोधन में ट्रंप ने कहा कि वे ईरान को वापस वापस भेज देंगे, क्योंकि वह वहीं रहने के लायक है। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि इस सैन्य तनाव के बीच कूटनीतिक बातचीत भी चल रही है। ट्रंप ने साफ किया कि उनका लक्ष्य ईरान में सत्ता परिवर्तन करना नहीं था। हालांकि उन्होंने दावा किया कि ईरान के पुराने नेताओं की मौत के कारण वहां का नेतृत्व ढांचा बदल गया है और एक तरह से सत्ता परिवर्तन हो चुका है। बातचीत का रास्ता अपनाने की सलाह अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक अमेरिका के विशिष्ट लक्ष्य पूरे नहीं हो जाते, तब तक सैन्य अभियान जारी रहेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि अमेरिका बहुत जल्द अपने सभी उद्देश्यों को पूरा करने की राह पर है।

आर्टेमिस-2 मिशन ने पार की पृथ्वी की कक्षा, 54 साल बाद चंद्रमा की ओर बढ़ा मानव दल

फ्लोरिडा, एजेंसी, नासा के आर्टेमिस–2 मिशन ने अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस मिशन का मानव दल सफलतापूर्वक पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकलकर अब चंद्रमा की ओर अग्रसर हो चुका है। यह कदम मानवता की गहरे अंतरिक्ष में वापसी की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। नासा के अनुसार, ओरियन अंतरिक्ष यान ने एक अहम ट्रांसलूनर इंजेक्शन बर्न को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस प्रक्रिया के तहत यान के मुख्य इंजन को लगभग छह मिनट तक चलाया गया, जिससे यह पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव से बाहर निकलकर चंद्रमा की ओर निर्धारित कक्षा में प्रवेश कर गया। इस दौरान करीब 6,000 पाउंड का थ्रस्ट उत्पन्न हुआ, जिसने यान को सटीक दिशा में आगे बढ़ाया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

म्यांमार की संसद ने जनरल मिन को राष्ट्रपति चुना, 2021 में उखाड़ फेंकी थी सू की सरकार

एजेंसी। म्यांमार की संसद ने शुक्रवार को मिन आंग ह्लाइंग को देश का नया राष्ट्रपति चुना। यह एक जनरल हैं जिन्होंने 2021 में आंग सान सू की की नागरिक सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया था। इसके साथ ही पिछले पांच वर्षों से सत्ता पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, म्यांमार के सैन्य शासक मिन आंग ह्लाइंग को तीन उम्मीदवारों में से सबसे अधिक वोट प्राप्त करने के बाद देश का राष्ट्रपति चुना गया है। द इरावदी की रिपोर्ट के अनुसार, ह्लाइंग के दो उप–राष्ट्रपति पूर्व सैन्य–नियुक्त प्रधान मंत्री न्यो सॉ हैं, जो लंबे समय से वफादार रहे हैं। वहीं. नान नी नी आये हैं, जो सैन्य समर्थित यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी (यूएसडीपी) की करेन राज्य की अध्यक्ष हैं। अपने चुनाव से पहले के दिनों में,

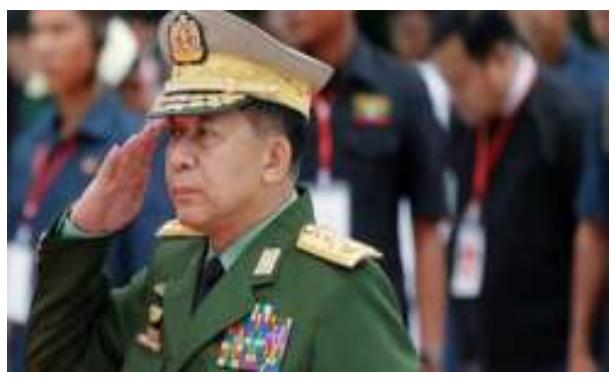

मिन आंग ह्लाइंग ने कमांडर–इन–चीफ पद से इस्तीफा दे दिया। जनरल ये विन ऊ को इस पद पर नियुक्त किया। रक्षा सेवाओं के कमांडर–इन–चीफ के पदभार ग्रहण समारोह का आयोजन सोमवार को नेप्यीडॉ स्थित जेयाथिरी बेकमैन में किया गया। म्यांमार के सरकारी रेडियो और टेलीविजन की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को म्यांमार की संसद (प्यिथु ह्लुटाव) ने मिन आंग ह्लाइंग को उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किया। म्यांमार के संविधान के अनुसार, संसद तीन उपराष्ट्रपति उम्मीदवारों में से राष्ट्रपति का चुनाव करती है। म्यांमार में दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 में चुनाव हुए थे। द इरावदी अखबार के अनुसार, यूएसडीपी ने चुनावों में जीत हासिल की, जहां अधिकांश विपक्षी दलों को भाग लेने से रोक दिया गया था। मिन आंग ह्लाइंग 2021 से म्यांमार पर शासन कर रहे हैं, जब उन्होंने आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार को गिराने के लिए तख्तापलट का आदेश दिया था। आंग सान सू की के नेतृत्व वाली नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) ने 2015 और 2020 दोनों चुनावों में जीत हासिल की थी, जिसके बाद मिन आंग ह्लाइंग ने दावा किया कि बाद के चुनावों में चुनावी धांधली हुई थी और इसी आरोप का इस्तेमाल उन्होंने तख्तापलट करने के लिए किया। उस समय उन्होंने कहा था कि यह सत्ता हथियाने का प्रयास नहीं था, बल्कि संवैधानिक आपातकाल के बीच उठाया गया एक आवश्यक कदम था। सैन्य तख्तापलट के बाद, म्यांमार की सैन्य सरकार ने 2020 के चुनाव परिणामों को रद्द कर दिया, एनएलडी को भंग कर दिया और आंग सान सू की, मंत्रिमंडल के सदस्यों और हजारों लोकतंत्र कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

आईआरजीसी का दावा- होर्मुज में गिराया फाइटर जेट, ईरान के दावे पर अमेरिकी सेंट्रल कमांड का जवाब क्या ?

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने केशम द्वीप के ऊपर एक श्दुश्मनश लड़ाकू विमान को गिराने का दावा किया। ईरान के इस कथित दावे को अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने खारिज कर दिया है।

सेंट्रल कमांड ने इन आरोपों को ष्झूठाष बताया है। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने एक्स पर जारी एक बयान में होर्मुज जलडमरूमध्य में हुई इस घटना के बारे में ईरानी दावों को खारिज किया है। सेंट्रल कमांड ने साफ किया कि सभी अमेरिकी लड़ाकू विमान सुरक्षित हैं। सेंट्रल कमांड ने तेहरान से लगातार आने वाली ऐसी रिपोर्टों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ईरान के आईआरजीसी ने कम से कम आधा दर्जन बार यही झूठा दावा किया है। ईरान ने किया क्या दावा? अमेरिकी सेना की ओर से यह खंडन आईआरजीसी द्वारा किए गए उन दावों के बाद आया, जिसमें ईरानी अधिकारियों ने कहा था कि अमेरिकी लड़ाकू विमान को निशाना बनाए जाने के बाद वह हेंगाम द्वीप और केशम द्वीप के बीच खाड़ी में गिर दिया गया। अल जजीरा ने शुक्रवार को ईरानी राज्य मीडिया आउटलेट्स का हवाला देते हुए यह रिपोर्ट दी थी। ईरान का रुख नहीं बदल पाएंगे हमले रूअराघची इन सैन्य दावों के बीच ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने घोषणा की है कि अमेरिका द्वारा गैर–सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने वाली हालिया कार्रवाईयां इस्लामी गणराज्य के रणनीतिक रुख को नहीं बदल पाएंगी। विदेश मंत्री अराघची ने कहा कि जरूरी सार्वजनिक कार्यों को निशाना बनाने से इच्छित राजनयिक या सैन्य दबाव नहीं बनेगा। उन्होंने कहा, श्श्अधूरे पुलों सहित नागरिक संरचनाओं पर हमला करने से ईरानी आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर नहीं होंगे।श्श अराघची ने आगे तर्क दिया कि इन हमलों की प्रकृति विरोधियों की ताकत के बजाय उनकी आंतरिक स्थिति को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य बिखरे हुए दुश्मन की हार और नैतिक पतन को दर्शाते हैं।

अमेरिकी सेना में बड़ा फेरबदल: ईरान से जंग के बीच हटाए गए आर्मी चीफ रैंडी जॉर्ज, हेगसेथ बोले- तत्काल रिटायर हों

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान के साथ जंग लड़ रहे अमेरिका ने एक बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अमेरिकी सेना के सबसे वरिष्ठ अधिकारी रैंडी जॉर्ज को तुरंत प्रभाव से पद छोड़ने के लिए कह दिया है। पेंटागन ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की, लेकिन इस फैसले के पीछे कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब अमेरिका और इस्राइल, ईरान के खिलाफ लगातार सैन्य कार्रवाई कर रहे हैं। जनरल रैंडी जॉर्ज अगस्त 2023 से सेना प्रमुख के पद पर थे और उनका कार्यकाल सामान्य तौर पर चार साल का होता है, लेकिन उन्हें बीच में ही हटाया गया। वे एक अनुभवी सैन्य अधिकारी रहे हैं और उन्होंने खाड़ी युद्ध, इराक और अफगानिस्तान जैसे बड़े युद्धों में हिस्सा लिया था। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने पुष्टि करते हुए कहा कि जनरल रैंडी जॉर्ज अब 41वें आर्मी चीफ के पद से तुरंत हट रहे हैं। उन्होंने जॉर्ज की देश के लिए दशकों की सेवा की सराहना भी की, लेकिन साथ ही यह भी साफ किया कि अब सेना में नेतृत्व बदलाव का समय आ गया था। दिलचस्प बात यह है कि रिटायरमेंट से कुछ दिन पहले ही जनरल जॉर्ज वेस्ट प्वाइंट में कैडेट्स को प्रशिक्षण दे रहे थे और अपने अनुभव साझा कर रहे थे।

जनरल रैंडी जॉर्ज का कार्यकाल सामान्य तौर पर 2027 तक चलना था, लेकिन उन्हें बीच में ही हटाया गया। वे एक अनुभवी अधिकारी रहे हैं और उन्होंने खाड़ी युद्ध, इराक और अफगानिस्तान जैसे अहम मिशनों में हिस्सा लिया था। वे लॉयड ऑस्टिन के सैन्य सलाहकार भी रह चुके हैं। अब उनकी जगह अस्थायी तौर पर क्रिस्टोफर ला–नेव को आर्मी चीफ बनाया गया है। ला–नेव इससे पहले वाइस चीफ थे और 82वीं एयरबोर्न डिवीजन का नेतृत्व कर चुके हैं। पेंटागन ने उन्हें श्अनुभवी और भरोसेमंदश बताया है, जो प्रशासन की नीतियों को सही तरीके से लागू कर सकते हैं। ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के बाद अमेरिकी सेना यह बदलाव अकेला नहीं है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पहले ही सेना के कई बड़े अधिकारियों को हटा चुके हैं। इनमें ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन सीक्यू ब्राउन और नेवी प्रमुख लिसा फ्रैंचेटी जैसे नाम शामिल हैं। कुल मिलाकर एक दर्जन से ज्यादा बड़े सैन्य अधिकारी बदले जा चुके हैं। हाल ही में एक और विवाद भी सामने आया था, जब पीट हेगसेथ ने एक हेलीकॉप्टर उड़ाने वाली टीम के खिलाफ कार्रवाई को रोक दिया था और सोशल मीडिया पर लिखा था, श्कोई सजा नहीं, कोई जांच नहीं।श हालांकि सूत्रों के मुताबिक आर्मी चीफ को हटाने का फैसला इस विवाद से जुड़ा नहीं है। इस बीच, अमेरिका की सैन्य गतिविधियां भी तेज हो गई हैं।श 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के पैराट्रूपर्स समेत हजारों सैनिकों को पश्चिम एशिया भेजा जा रहा है।

हालांकि अभी तक यह साफ नहीं है कि अमेरिका ईरान के खिलाफ जमीनी युद्ध (ग्राउंड ऑपरेशन) शुरू करेगा या नहीं। राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में अपने संबोधन में कहा कि आने वाले 2 से 3 हफ्तों में ईरान पर और भी कड़ी सैन्य कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कड़ा बयान देते हुए कहा कि ईरान को श्पाषाण युग में वापस भेज दिया जाएगा।श इस बयान पर ईरान ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है और संयुक्त राष्ट्र में अपने मिशन के जरिए कहा कि यह बयान ताकत नहीं बल्कि अज्ञानता को दिखाता है।

ट्रंप के दावों में कितना दम?: ईरान की मिसाइल लॉन्चर और ड्रोन हमलों की क्षमता बरकरार, खुफिया रिपोर्ट में खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका–इस्राइल की ओर से ईरान के खिलाफ छेड़ी गई जंग को एक महीने से ज्यादा हो चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों से इतर संयुक्त हमलों में तेहरान के हथियारों के जखीरे पर बहुत ज्यादा असर पड़ता नहीं दिख रहा है। एक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान पर अमेरिका और इस्राइल द्वारा बड़े पैमाने पर हमले किए जाने के बावजूद तेहरान के लगभग आधे मिसाइल लॉन्चर अभी भी बरकरार हैं और हजारों हमलावर ड्रोन उसके शस्त्रागार में मौजूद हैं। तबाही मचाने को तैयार है ईरान : रिपोर्ट सीएनएन की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि खुफिया जानकारी से परिचित एक सूत्र ने बताया, ष्वे अभी भी पूरे क्षेत्र में भारी तबाही मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।ष रिपोर्ट के अनुसार, इन आकलनों से यह भी पता चलता है कि ईरान ने बड़ी संख्या में मिसाइलों को सुरक्षित रखा है, जिसमें उसकी क्रूज मिसाइलों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी शामिल है। यह मिसाइलें होर्मुज जलडमरूमध्य को नियंत्रित करने के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। हालांकि ईरान के नौसैनिक जहाज काफी हद तक नष्ट हो गए हैं, लेकिन इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जुड़े अलग नौसैनिक बलों ने अपनी लगभग आधी क्षमता बरकरार रखी है। सीएनएन की रिपोर्ट में बताए गए सूत्रों के अनुसार, उनके पास हजारों नहीं, तो सैकड़ों छोटी नौकाएं और मानव रहित पोत अभी भी हैं। सुरंगों में छिपाया हथियारों का जखीरा खुफिया जानकारी से पता चलता है कि ईरान द्वारा भूमिगत सुविधाओं का उपयोग उसके मिसाइल लॉन्चरों को संरक्षित करने में मददगार रहा है। देश ने लंबे समय से अपने लॉन्चरों को सुरंगों और गुफाओं के विशाल नेटवर्क में छुपा रखा है, जिससे उन्हें निशाना बनाना विशेष रूप से कठिन हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बुधवार को अमेरिकी सैन्य अभियानों को पूरा करने के लिए दो से तीन सप्ताह की समय–सीमा निर्धारित की थी। हालांकि, खुफिया आकलनों की समीक्षा करने वाले एक सूत्र ने इस समय–सीमा को अवास्तविक बताया है। इस्राइल, खाड़ी में अमेरिका के सहयोगी और अमेरिकी सैनिक, ईरान से नियमित मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहे हैं।

अमेरिका में बड़ा हेल्थकेयर घोटाला, पचास मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी का भंडाफोड़, नर्स-डॉक्टर समेत आठ गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ा एक बड़ा घोटाला सामने आया है, जिसने पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसी के तहत कैलिफोर्निया में एफबीआई ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर आरोप है कि उन्होंने झूठे होस्पिस केयर केंद्र चलाकर मेडिकेयर से करीब 50 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी की। आरोपियों में नर्स, डॉक्टर, साइकोलॉजिस्ट और कायरोप्रैक्टर शामिल हैं। जांच में पता चला कि मरीजों को वास्तविक टर्मिनल बीमारी के बिना दाखिल कर बिल बनाया गया, जिससे स्वास्थ्य प्रणाली और टैक्सदाताओं को भारी नुकसान हुआ। बता दें कि यह कार्रवाई उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व वाले टास्क फोर्स टू एलीमिनेट फ्रॉड के सहयोग से की गई।

एफबीआई और अभियोजन के अनुसार गिरफ्तार व्यक्तियों में तीन नर्सें, एक डॉक्टर, एक साइकोलॉजिस्ट और एक कायरोप्रैक्टर शामिल हैं। इन पर आरोप है कि उन्होंने ऐसे मरीजों को होस्पिस में दाखिल कर बिल बनाया, जिनकी वास्तव में टर्मिनल बीमारी नहीं थी। आमतौर पर होस्पिस में लोग जीवन के अंतिम चरण में जाते हैं, लेकिन इन केंद्रों में मरीजों की जीवित रहने की दर राष्ट्रीय औसत 17: से पांच गुना ज्यादा थी।

ग्लैडविन और एमेलौ गिल–626 होस्पिस के मालिक, जिन पर 5.2 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी करने और गैरकानूनी किकबैक देने का आरोप। मामले में एफबीआई के लॉस एंजिलेस क्षेत्र के सहायक निदेशक अकील डेविस ने कहा कि दक्षिण कैलिफोर्निया हेल्थकेयर धोखाधड़ी के लिए उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है। अमेरिका हर साल हेल्थकेयर धोखाधड़ी में सैकड़ों अरब डॉलर खो देता है, जिससे आम लोगों के बीमा प्रीमियम और टैक्स बढ़ते हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।